घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 129- गुरूवार 12- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव खारिज

शाह बोले...आंख मारने वाले स्पीकर पर सवाल उठा रहे,विपक्ष ने माफी मांगो के नारे लगाए

नई दिल्ली,11 मार्च 2026। लोकसभा में बुधवार को स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने वाला अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज हो गया। गृह मंत्री अमित शाह ने 56 मिनट तक प्रस्ताव पर सरकार की तरफ से जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। शाह ने कहा कि 18वीं लोकसभा में कांग्रेस सांसदों को बोलने के लिए भाजपा से दो गुना ज्यादा समय मिला। फिर भी विपक्ष के नेता कहते हैं कि हमें बोलने नहीं दिया जाता। जब बोलने का मौका आता है तो वे जर्मनी में होते हैं, इंग्लैंड में होते हैं। शाह ने कहा... एक तो वे बोलना नहीं चाहते हैं। जब बोलना चाहते हैं तो नियम के अनुसार नहीं बोलना चाहते हैं। ये सदन नियम से चलेगा। स्पीकर को नियमों के उल्लघंन पर रोकने और टोकने का अधिकार है। ये सदन मेला नहीं है,जो नियम से नहीं चलेंगे, उसका माइक बंद ही होगा। गृह मंत्री ने आगे कहा...राहुल सदन में पीएम मोदी से आकर गले लग जाते हैं। आंख मारते हैं। फ्लाइंग किस देते हैं। मुझे तो बोलने में भी शर्म आती है। ये स्पीकर के आचरण पर सवाल करते हैं। अपने आचरण पर भी तो सवाल करिए। शाह के जवाब के दौरान विपक्ष ने जमकर हंगामा किया और 'अमित शाह माफी मांगो' के नारे लगाए।

शाह ने गिनाया,कांग्रेस-राहुल को सदन में कितना समय मिला

अमित शाह ने कहा, कितना बोलना है इसके लिए कुछ नियम बने हैं। 17वीं लोकसभा कांग्रेस को 157 घंटे 55 मिनट का समय दिया गया। जबकि उनके 52 सदस्य थे। कांग्रेस को भाजपा से 6 गुना ज्यादा समय दिया गया। जबकि भाजपा के पास 6 गुना ज्यादा सदस्य थे 18वीं लोकसभा में भी कांग्रेस को भाजपा से दो गुना समय मिला। नेता प्रतिपक्ष कहते हैं कि हमें बोलने नहीं दिया जाता। मगर बोलने का मौका आता है तो जर्मनी में होते हैं इंग्लैंड में होते हैं। फिर शिकायत करते हैं। 18वीं लोकसभा में 157 घंटे 55 मिनट कांग्रस के सदस्य बोले। मैं विपक्ष नेता से पूछना चाहता हूं कि आप तब क्यों नहीं बोले। किसने रोका था। वो तो आपका अधिकार है कि आपकी पार्टी से कौन बोलेगा। विपक्ष के नेता स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव पर भी कुछ नहीं बोलते। फिर प्रस्ताव लाते क्यों है। एक तो बोलना नहीं चाहते हैं। बोलना चाहते हैं कि नियम अनुसार नहीं बोलना चाहते हैं। स्पीकर के द्वारा एक बार टोकने पर दूसरी बार वही बात करोगे तो स्पीकर के पास क्या विकल्प रहता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आप मैगजीन पर नहीं बोल सकते, फिर भी आप उसी विषय पर बोलेंगे तो टोकना पड़ेगा। स्ढ्रक्रपर चर्चा थी। विपक्ष के नेता को बोला गया कि आप बोलिए। उन्होंने सदन डिस्टर्ब किया। उनको अचनाक एक आइडिया आया कि मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर चर्चा हो। आपके परनाना से लेकर आपकी दादी से पिता जी तक,बड़े बड़े नेता के प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बहस नहीं हुई।

सिब्बल बोले...सरकार ने दूर की सोच नहीं दिखाई...

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा...अगर अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी रही, तो बहुत दिक्कत होगी। इसका असर कई सेक्टर पर पड़ेगा, इसलिए केंद्र सरकार ने सही काम किया है कि पहले कंज्यूमर्स (घरेलू) को गैस मिले और फिर इंडस्ट्रीज को। सरकार को दूर की सोच दिखानी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

अनुराग ठाकुर ने कहा...देश माओवादतंत्र से नहीं लोकतंत्र से चलत

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश माओवादतंत्र से नहीं लोकतंत्र से चलता है। हमारे सदस्य को संसद के बाहर गद्दार कहा गया था। हम तो आफगानिस्तान से अपने लोगों को वापस लाए। इन लोगों ने सिखों के गले कटवाए। सरेंडर आप लोगों ने किया था चीन को 38 हजार स्क्वयार मीटर जमीन देकर। हमने तो अपने सेना को खुली छूट दी।

विपक्ष ने स्पीकर पर ही नहीं,बल्कि सुप्रीम कोर्ट पर भी हमला किया : सांसद टेनेटी

टीडीपी सांसद कृष्ण प्रसाद टेनेटी ने लोकसभा में कहा है कि संसद को बहस और अनुशासन के साथ चलना चाहिए, न कि व्यवधान और तमाशे के जरिए। विपक्ष ने सदन में केवल स्पीकर पर ही नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट पर भी हमला किया है। संसदीय लोकतंत्र की ताकत इस बात में है कि चुने हुए प्रतिनिधि स्थापित प्रक्रियाओं के तहत व्यवस्थित बहस करें, सरकार से सवाल पूछें और उस संस्था की गरिमा बनाए रखें जो जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व करती है। स्पीकर किसी भी राजनीतिक दल के प्रतिद्वंद्वी नहीं होते।

शाह ने बताया- विपक्ष के नोटिस में कई गलतियां, स्पीकर ने ठीक कराई : अमित शाह ने कहा, स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव के नोटिस में 2026 की जगह 2025 लिखा था। जब विपक्ष के ध्यान में लाया गया तो उन्होंने नोटिस वापस ले लिया। दूसरे नोटिस में सिर्फ गौरव गोगई के रियल साइन थे। सभी विपक्षी सांसदों को जेरोक्स साइन थे। ऐसे में नोटिस खारिज हो सकता है। लेकिन इनमें इतनी गंभीरता नहीं है कि नोटिस नियमों के हिसाब से लाएं।

फिर भी स्पीकर के ऑफिस ने विपक्ष को मौका दिया कि गलतियां है। सुधार लो। ये सदन में गंभीरता की बात करती हैं। मोरल ग्राउंड के आधार पर ओम बिरला ने दो-दो बार प्रस्ताव सुधारने का मौका दिया।

राहुल बोले...पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड हैं,हमें बोलने से रोका गया,रविशंकर प्रसाद ने कहा...कभी नहीं

लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी और विपक्ष पर कई आरोप लगाए। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि हम जब भी बोलने को होते हैं हमे रोका-टोका जाता है। उन्होंने कहा कि यह चर्चा लोकतंत्र और स्पीकर की भूमिका पर है। कई मौकों पर मेरा नाम लिया गया। हर समय हमें बोलने से रोका गया। राहुल ने कहा कि आखिरी बार बोलते हुए मैंने प्रधानमंत्री की ओर से कॉम्प्रोमाइज का मुद्दा उठाया था। सदन देश का प्रतिनिधित्व करता है। पहली बार विपक्ष के नेता को नहीं बोलने दिया गया। पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड हैं। राहुल के इतना बोलने पर रविशंकर प्रसाद ने कहा-नेवर...नेवर। पीएम मोदी का भारत कभी कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं होगा। इनको बेसिक समझदारी भी नहीं है। स्पीकर ने कई बार चेयर घेरी गई, कागज फेंके गए, लेकिन वह मुस्कराते रहे।

अनुराग ठाकुर बोले...विपक्ष ने लोकतंत्र का गला घोटने का काम किया...

अनुराग ठाकुर ने कहा कि इनकी सरकार बंद कमरे में चलती थी। लोकतंत्र का गला घोटने का काम इन्होंने किया था। नेहरू जी ने पहली संशोधन में मीडिया का गला घोंटने का काम किया। आपने लोकतंत्र का गला घोटा। 5 साल के राज्यसभा के टर्म को 6 साल का कर दिया। मीसा लगाया गया। उन्हें जेल में डाल दिया गया। 2012 में इनके मंत्री ने हाउस एडजर्न के लिए स्पीकर से कहा था। सदन आने से 2 दिन पहले आप ऑर्डिनेंस लेकर आते थे। अटल जी भी नेता प्रतिपक्ष थे। पाकिस्तान को करार जवाब नेता प्रतिपक्ष ने दिया था। विदेश में भारत का सिर ऊंचा किया था। भारत के अगर आपकी लड़ाई है तो आईएसआई और आईएनएस में क्या फर्क रह गया है।

तमिलनाडु में बदलाव की लहर,जनता चाहती है राजग सरकार : पीएम मोदी

तिरुचिरापल्ली,11 मार्च 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को तिरुचिरापल्ली में आयोजित राजग की जनसभा को संबोधित करते हुए द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में बदलाव की लहर तेज हो रही है और राज्य की जनता डीएमके सरकार को हटाकर ऐसी सरकार चाहती है जो हर परिवार के लिए काम करे, न कि केवल एक परिवार के लिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह तमिलनाडु के लोगों से निरंतर जुड़े रहते हैं, चाहे राज्य में रैलियां हों, देशभर में व्यक्तिगत मुलाकातें हों या काशी तमिल संगमम जैसे कार्यक्रम। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता की नब्ज उन्हें साफ दिखाई दे रही है और इस चुनावी मौसम में बदलाव की इच्छा तेज होती जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार तमिलनाडु के विकास के लिए बड़े पैमाने पर निवेश कर रही है। हाल ही में उन्होंने

मदुरै में 4400 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं से जुड़े कार्यक्रम में हिस्सा लिया था, जबकि तिरुचिरापल्ली में लगभग 5600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। इससे पहले करीब 20 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की संस्कृति और वास्तुकला दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करती है। तिरुचिरापल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल के निर्माण के बाद लोगों ने इसकी आधुनिकता और तमिल संस्कृति की झलक की सराहना की है। उन्होंने घोषणा की कि मदुरै एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय दर्जा दे दिया गया है,जिससे दक्षिण तमिलनाडु को वैश्विक शहरों से सीधी उड़ानों के माध्यम से जोड़ा जा सकेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को केवल कर हिस्सेदारी के माध्यम से ही लगभग तीन लाख करोड़ रुपये दिए हैं,जो पहले की कांग्रेस-डीएमके सरकार के समय से कई गुना अधिक है। पिछले दशक में राज्य में बुनियादी ढांचे के लिए मिलने वाली राशि तीन गुना बढ़ी है और राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगभग 57 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार इच्छामृत्यु की इजाजत दी

13 साल से कोमा में है बेटा,माता-पिता ने लगाई थी गुहार

नई दिल्ली,11 मार्च 2026। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इच्छामृत्यु मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने 13 साल से कोमा में रह रहे 31 साल के युवक हरीश राणा को इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की मंजूरी दे दी। गाजियाबाद के रहने वाले हरीश लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर हैं। देश में इस तरह का यह पहला मामला है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एम्स को निर्देश दिया कि हरीश के लाइफ सपोर्ट सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए। यह प्रोसेस इस तरह से की जानी चाहिए कि मरीज की गरिमा बनी रहे। पैसिव यूथेनेशिया का मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है,उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए,ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला हरीश की मां निर्मला राणा और पिता अशोक राणा की इच्छामृत्यु देने की अपील पर सुनाया। फैसले पर पिता अशोक ने कहा हम इसके लिए लंबे समय से लड़ रहे थे। कौन से माता-पिता

अपने बेटे के लिए ऐसा चाहेंगे। पिछले 3 साल से हम यह मामला लड़ रहे थे। अब उसे एम्स ले जाया जाएगा। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में टॉपर हुआ करता था।

हरीश हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरे थे,तब से बिस्तर पर : दिल्ली में जन्मे हरीश राणा चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहे थे। 2013 में वह हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए। इसकी वजह से उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वह कोमा में चले गए। वह न कुछ बोल सकते हैं और न ही महसूस कर सकते हैं। डॉक्टर्स ने हरीश को क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी से पीड़ित करार दिया। इसमें मरीज पूरी तरह से फीडिंग ट्यूब यानी खाने-पीने की नली और वेंटिलेटर सपोर्ट पर निर्भर रहता है। इसमें रिकवरी की कोई गुंजाइश नहीं होती। 13 साल से बिस्तर पर पड़े होने की वजह से हरीश के शरीर पर बेडसोर्स यानी गहरे घाव बन गए हैं। उनकी हालत लगातार खराब होती जा रही है। यह स्थिति हरीश के लिए बहुत दर्दनाक है। परिवार के लिए उन्हें ऐसे देखना मानसिक रूप से बेहद कठिन हो गया है। वेंटिलेटर, दवाइयों, नर्सिंग और देखभाल पर कई साल से इतना खर्च हो चुका है कि परिवार आर्थिक रूप से टूट चुका है।

माता-पिता से मिलने की इच्छा व्यक्त की थी...

न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने एम्स को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया,ताकि चिकित्सा उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उपचार बंद करने की प्रक्रिया एक सुनियोजित योजना के साथ हो ताकि राणा की गरिमा बनी रहे। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 31 वर्षीय युवक के माता-पिता से मिलने की इच्छा व्यक्त की थी। कोर्ट ने एम्स-दिल्ली के डॉक्टरों के एक द्वितीयक मेडिकल बोर्ड द्वारा तैयार की गई राणा की मेडिकल हिस्ट्री वाली रिपोर्ट का अध्ययन किया था और टिप्पणी की थी कि यह एक दु:खद रिपोर्ट है।

एलपीजी संकट से एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतरा : केजरीवाल

नई दिल्ली,11 मार्च 2026। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दावा किया कि देश में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत होने से एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतरा है। केजरीवाल ने आआपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश में एलपीजी की दैनिक उपलब्धता लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो गई है, जिसका सीधा असर होटल,रेस्टोरेंट और उद्योगों पर पड़ रहा है। भारत में एलपीजी की कुल खपत का करीब 60 फीसद हिस्सा आयात के जरिए पूरा किया जाता है और इस आयात का लगभग 90 फीसद हिस्सा स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के रास्ते आता है। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण इस मार्ग से भारत को आने वाली आपूर्ति लगभग बंद हो गई है। इसके कारण एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतरा है। केजरीवाल ने कहा कि देशभर में शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर,बाकी सभी कमर्शियल संस्थानों को एलपीजी गैस की सप्लाई बंद कर दी गई है।

तेलंगाना के पांचवें राज्यपाल के रूप में शिव प्रताप शुक्ला ने ली शपथ

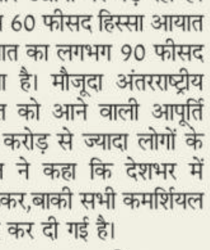

हैदराबाद,11 मार्च 2026। तेलंगाना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ऑपरेश कुमार सिंघ ने बुधवार को राजभवन में शिव प्रताप शुक्ला को तेलंगाना के नए राज्यपाल के तौर पर शपथ दिलाई। आज राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विधानसभा स्पीकर, विधान मंडली के चेयरमैन, राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और अन्य मंत्री व प्रमुख लोग शामिल हुए। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शिव प्रताप शुक्ला तेलंगाना के पांचवें राज्यपाल हैं। शुक्ला ने उत्तर प्रदेश में छात्र नेता के रूप में अपना करियर शुरू किया और केंद्र में वित्त राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। वे चार बार उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए। शुक्ला इससे पहले हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के रूप में कार्यरत थे। केंद्र सरकार ने 5 मार्च को राज्यपालों के फेरबदल में उन्हें तेलंगाना का राज्यपाल बना दिया गया। अप्रैल, 1952 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में जन्मे शुक्ला अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संगठन मंत्री रह चुके हैं।

तेल आयात बाधित नहीं,बुकिंग के ढाई दिन के अंदर मिलेगा घरेलू गैस सिलेंडर : केंद्र सरकार

नई दिल्ली,11 मार्च 2026। केन्द्र सरकार का कहना है कि देश में कच्चे तेल का आयात बाधित नहीं है और विविध स्रोतों से आवश्यकता के अनुरुप आयात सुनिश्चित किया जा रहा है। वहीं, घरेलू गैस की सप्लाई कुछ हद तक बाधित होने के कारण सरकार प्राथमिकता के आधार पर सप्लाई सुनिश्चित कर रही है। लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। वर्तमान में बुकिंग के ढाई दिन के अंदर सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। कालाबाजारी रोकने के लिए क्यूआर कोड के जरिए बुकिंग की व्यवस्था की गई है। पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात के बीच ईरान के करीब जलमार्ग होरमुज़ जलडमरूमध्य से जहाजों की

आवाजाही बाधित है। इस कारण इस मार्ग से विभिन्न देशों को होने वाला आयात प्रभावित है, भारत भी इससे अछूता नहीं है। इसे देखते हुए आज सरकार ने स्थिति स्पष्ट करने के लिए राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में विभिन्न मंत्रालयों की ओर से संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि एलपीजी बुकिंग को लेकर लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। देश की वर्तमान में प्राकृतिक गैस की दैनिक खपत लगभग 189 मिलियन मीट्रिक मानक घनमीटर प्रतिदिन है। इसमें से लगभग 97.5 मिलियन मीट्रिक मानक घनमीटर प्रतिदिन का उत्पादन घरेलू स्तर पर होता है और शेष आयात किया जाता है। आयात से लगभग 47.4 मिलियन मीट्रिक मानक घन मीटर की आपूर्ति अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति प्रभावित होने के कारण सरकार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को गैस उपलब्ध करा रही है। फिलहाल, एलपीजी की आपूर्ति घरेलू क्षेत्र के लिए की जा रही है। गैर-घरेलू एलपीजी आपूर्ति में अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे आवश्यक क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जा रही है।

घरों, पीएनजी और वाहनों के लिए सीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति की जाएगी। वहीं, उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए लागत में हुई वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा सरकार वहन करेगी।

एनसीईआरटी का विवादित चैप्टर बनाने वाली टीम के खिलाफ निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने कहा...प्रो. मिशेल को बैन करे केंद्र,'करप्शन इन ज्यूडिशियरी' लिखा था

नई दिल्ली,11 मार्च 2026। सुप्रीम कोर्ट एनसीईआरटी के कक्षा 8वीं की सोशल साइंस की किताब में 'करप्शन इन द ज्यूडिशियरी' नाम का सब-चैप्टर तैयार करने वाली टीम को हटाने की तैयारी में है। कोर्ट ने केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों और पब्लिक फंडेड इंस्टीट्यूशन्स को निर्देश दिया है कि एनसीईआरटी के सोशल साइंस करिकुलम के चेयरपर्सन प्रोफेसर मिशेल डेनिनो को पाठ्यक्रम से अलग करें। साथ ही, उनके दो अन्य सहयोगी सदस्यों दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार को भी किसी भी तरह से पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया में शामिल न किया जाए। इसके अलावा, तीनों को नेक्स्ट जनरेशन टेक्स्टबुक्स को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया से भी अलग किया जाए। प्रोफेसर

मिशेल डेनिनो ने अपने 2 सहयोगियों- दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार के साथ मिलकर कक्षा 8 की एनसीईआरटी सोशल साइंस की किताब के पार्ट-2 में सब-चैप्टर 'करप्शन इन ज्यूडिशियरी' तैयार किया था। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया यानी सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने प्रो. मिशेल डेनिनो और उनकी टीम को इस चैप्टर की तैयारी और उसे करिकुलम में शामिल करने की प्रक्रिया से अलग किए जाने का निर्देश दिया है।

शंकराचार्य सनातन धर्म की सुप्रीम कोर्ट : अविमुक्तेश्वरानन्द

लखनऊ,11 मार्च 2026। ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द ने बुधवार को लखनऊ के कांशीराम स्मृति सांस्कृतिक उपवन में गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर शंखनाद किया। उन्होंने सशर्त 24 घंटे पहले अनुमति देने पर कहा कि शर्त लगाना दैत्यों व दानवों का पुराना तरीका है। शर्त लगाकर आप अपनी जवाबदेही से नहीं बच सकते। गाय को 'गौ माता' और 'भारत की राष्ट्रमाता' घोषित करने की मांग को लेकर गौरक्षार्थ धर्म युद्ध यात्रा पर निकले शंकराचार्य

अविमुक्तेश्वरानन्द ने लखनऊ में गौ भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि आज यह मान्यवर कांशीराम के स्मृति स्थल से नया इतिहास लिखा जा रहा है। अपने आंदोलन को लेकर उन्होंने कहा कि गंगोत्री से गंगा प्रकट हो रही है, आगे जाकर सहस्त्रधारा बनेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पूरा बल लगा देने के बाद भी बड़ी संख्या में गौभक्त उमड़े है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द ने आरोप लगाया कि पहले हमें काशी में रोकने का प्रयास किया गया। फिर रास्ते में रोकने का प्रयत्न हुआ। फिर शर्त लगाकर 24 घंटे पहले अनुमति दी गयी।

भविष्य सुरक्षित करने के लिए जल संरक्षण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा : राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली,11 मार्च 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि जल संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और हमें जल को केवल उपयोग की वस्तु के रूप में नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए जल संरक्षण को जीवन और व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है। राष्ट्रपति ने बुधवार को यहां आयोजित जल महोत्सव 2026 में भाग लेते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि

भारत में जल केवल एक बुनियादी सुविधा नहीं है बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपराओं, आजीविका और सामुदायिक जीवन से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक गांवों में लोगों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को पीने का पानी लाने के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था। स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना केवल सुविधा का विषय नहीं था बल्कि समय, स्वास्थ्य और सम्मान से भी जुड़ा था। इन चुनौतियों से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन की शुरुआत की, जिसके माध्यम से अब ग्रामीणों को अपने घरों में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि जब किसी संसाधन की जिम्मेदारी सरकार के साथ-साथ पूरा समाज मिलकर उठाता है।

घटती घटना
सत्य के साथ...जनहित में बात...

संपादकीय

मुफ्त जमीं,महंगा इलाज

कभी चिकित्सा के पेशे को भगवान के दूसरे रूप में मानवता की सेवा का पर्याय माना जाता था। लेकिन आज मुनाफे की चांदी बटोरने की होड़ वाले अग्रणी पेशों में चिकित्सा व्यवसाय की गिनती होने लगी है। धन बटोरने की अंधी हवस में मानवता के तार-तार होने की इस व्यवसाय से जुड़ी खबरें आये दिन सुर्खियां बटोरती रहती हैं। यूं तो आज पैसे की अंतहीन भूख उन तमाम पेशों में नजर आती है जो सेवा-परोपकार व मनुष्यता के कल्याण में अग्रदूत माने जाते रहे हैं। लेकिन कुछ पेशे ऐसे हैं जो इंसानियत के रखवाले माने जाते रहे हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को पूछना पड़ा कि दिल्ली में जिन 51 अस्पतालों को रियायती जमीन दी गई थी और उन्होंने कुछ प्रतिशत गरीबों का इलाज मुफ्त करने का वायदा किया था,वे ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं? दरअसल,केंद्र सरकार ने वर्ष 2012 में एक नीतिगत फैसला लिया था,जिसके अंतर्गत दिल्ली में गरीब लोगों के लिये निजी अस्पतालों में एक सीमा तक मुफ्त इलाज की सुविधा मुहैया कराई गई थी। कहने की जरूरत नहीं है कि अस्पताल निजी हों या सरकारी,वे सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिये ही बने होते हैं। इसी के मद्देनजर कई निजी अस्पतालों के निर्माण हेतु रियायती दर पर सरकार भूखंड उपलब्ध कराती है। जिसके चलते निजी अस्पतालों के कुछ दायित्व भी होते हैं। जिसमें निर्धन मरीजों के उपचार हेतु निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना होता है। यही वजह थी कि साल 2018 में भी, देश की शीर्ष अदालत ने रियायती जमीन हासिल करने वाले अस्पतालों को नसीहत दी थी कि गरीब लोगों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही इस मामले में लापरवाही बरताने वालों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करने को कहा था। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा चेताने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया। वहीं दूसरी ओर इस बाबत निगरानी करने वाले सरकारी विभाग भी आंख मूंद कर बैठे रहते हैं। इस गंभीर मुद्दे की बार-बार अनदेखी किए जाने से खिन्न देश की शीर्ष अदालत ने हाल ही में दिल्ली में रियायती दामों में प्लॉट लेने वाले 51 हॉस्पिटलों को नोटिस भेजकर अपना दायित्व न निभाने वालों को इसकी वजह बताने को कहा गया है। कोर्ट ने चेताया है कि अस्पताल के मालिकों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए! यह विडंबना है कि केंद्र व दिल्ली सरकार इस गंभीर मामले में उदासीन नजर आती हैं। विसंगति देखिए कि जिस दायित्व का निर्वहन सरकारों को करना चाहिए था,उस पर देश के सुप्रीम कोर्ट को आदेश देने पड़ रहे हैं। जो हमारे तंत्र की काहिली को ही उजागर करता है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के नीतिगत फैसले में इस बात का प्रावधान था कि रियायती कीमत पर जमीन पाने वाले अस्पतालों को आंतरिक रोगी विभाग में न्यूनतम दस प्रतिशत और ओपीडी में पच्चीस प्रतिशत गरीबों का इलाज मुफ्त करना होगा। जिससे जुड़ी जवाबदेही पूरी करने को शीर्ष अदालत ने 2018 में भी चेताया था। लेकिन इसके बावजूद जमीनी हकीकत में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। यही वजह है कि पिछले दिनों शीर्ष अदालत ने इन अस्पतालों को नोटिस भिजवाए हैं। साथ ही अवज्ञा करने पर अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। इस बात में कोई संदेह नहीं कि इन निजी अस्पतालों में गरीबों को मुफ्त इलाज मिल सके,पहली जवाबदेही सरकार की बनती है। यदि सरकार की नियामक एजेंसियां सख्ती दिखाती तो क्या मजाल थी कि निजी अस्पताल अपने वायदे से मुकर जाते। बाकायदा,ऐसे मामलों में उदासीनता दिखाने वाले सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए और लापरवाही दिखाने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी होनी चाहिए। निस्संदेह,इन हालातों के चलते ही आम जनता का तंत्र से भरोसा उठता है।

फूहड़ कंटेंट,सोशल मीडिया और संस्कृतिः जिम्मेदारी किसकी?

समाज के एक बड़े वर्ग का मानना है कि इस प्रकार के कंटेंट का प्रभाव विशेष रूप से युवाओं और किशोरों पर पड़ता है। जब वे देखते हैं कि कुछ लोग केवल कुछ सेकंड के वीडियो बनाकर अत्यधिक प्रसिद्धि और आर्थिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं,तो उनके मन में भी वैसा ही करने की इच्छा पैदा हो सकती है। कई बार यह प्रेरणा रचनात्मक दिशा में जाती है-जैसे संगीत,कला,नृत्य या शिक्षा से जुड़े कंटेंट बनाना। लेकिन कई मामलों में यह प्रेरणा केवल वायरल होने की दौड़ में बदल जाती है,जहां ध्यान आकर्षित करने के लिए किसी भी प्रकार का तरीका अपनाया जाता है। यह भी देखा गया है कि सोशल मीडिया पर ट्रेंड और एल्गोरिद्म का बहुत बड़ा प्रभाव होता है। जो कंटेंट अधिक देखा और साझा किया जाता है,वही तेजी से फैलता है। ऐसे में यदि दर्शक बार-बार उसी प्रकार के वीडियो देखते हैं जिन्हें वे स्वयं 'फूहड़' कहते हैं,तो अनजाने में वे उसी प्रवृत्ति को बढ़ावा भी दे रहे होते हैं। इसलिए केवल कंटेंट बनाने वालों को दोष देना इस समस्या का पूरा समाधान नहीं है...

डॉ. प्रियंका सौरभ
आर्यनगर,हिसार (हरियाणा)

डिजिटल युग ने हमारे समाज की संरचना,सोच और अभिव्यक्ति के तरीकों को गहराई से बदल दिया है। आज मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति को लोकतांत्रिक बनाया है–जहां पहले मनोरंजन और प्रसिद्धि के अवसर सीमित लोगों तक होते थे,वहीं अब हर व्यक्ति के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच है। लेकिन इस नए अवसर के साथ कई नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। इन चुनौतियों में सबसे बड़ी बहस उस कंटेंट को लेकर है जिसे समाज का एक वर्ग 'फूहड़' या 'अशोभनीय' मानता है।

पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो तेजी से वायरल होते देखे गए हैं जिनमें डांस,अभिनय या मनोरंजन के नाम पर ऐसे हाव-भाव और प्रस्तुति दिखाई जाती है जिन्हें कई लोग सांस्कृतिक मूल्यों के विरुद्ध मानते हैं। इन वीडियो को लाखों व्यूज, लाइक्स और शेयर मिलते हैं, जिससे वे और अधिक लोगों तक पहुंचते हैं। लोकप्रियता की इस दौड़ में कई बार कंटेंट की गुणवत्ता और सामाजिक जिम्मेदारी पीछे छूट जाती है। दर्शक भी इस डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। दूसरी ओर,यह तर्क भी सामने आता है कि कला और मनोरंजन की अपनी स्वतंत्रता होती है। नृत्य,अभिनय और अभिव्यक्ति के कई रूप होते हैं,और हर व्यक्ति उन्हें अलग-अलग तरीके से देखता है। जो एक व्यक्ति को अनुचित लगता है,वही दूसरे के लिए केवल मनोरंजन या कला का एक रूप हो सकता है। इसी कारण इस विषय पर समाज में तीखी बहस देखने को मिलती है। कुछ लोग इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा मानते हैं,जबकि अन्य इसे सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के क्षरण के रूप में देखते हैं। यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है–क्या किसी भी प्रकार की लोकप्रियता को सफलता का मानक माना जाना चाहिए? सोशल मीडिया ने प्रसिद्धि प्राप्त करने की प्रक्रिया को बहुत तेज कर दिया है। पहले किसी कलाकार को पहचान पाने में वर्षों लग जाते थे,आज एक वायरल वीडियो किसी को रातों-रात स्टार बना सकता है। लेकिन यह त्वरित प्रसिद्धि कई बार स्थायी नहीं होती और इसके सामाजिक प्रभाव भी जटिल हो सकते हैं। कई युवा इस भ्रम में पड़ सकते हैं कि केवल विवादास्पद या ध्यान आकर्षित करने वाला कंटेंट ही सफलता का रास्ता है। परिणामस्वरूप वे अपनी प्रतिभा को विकसित करने की बजाय तात्कालिक लोकप्रियता के पीछे भागने लगते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल व्यक्तिगत विकास को प्रभावित करती है, बल्कि समाज में मनोरंजन की गुणवत्ता पर भी असर डालती है। संस्कृति की बात करें तो यह किसी एक व्यक्ति या एक पीढ़ी की देन नहीं होती। संस्कृति सदियों के अनुभव, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से बनती है। इसमें परिवर्तन भी होता रहता है–क्योंकि हर युग अपने साथ नए विचार और नए रूप लेकर आता है। लेकिन परिवर्तन और अतिरेक के बीच संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। जब मनोरंजन का उद्देश्य केवल सनसनी या ध्यान आकर्षित करना बन जाए,तो समाज में यह चिंता स्वाभाविक है कि कहीं हम अपने मूल्यों से दूर तो नहीं जा रहे। इस संदर्भ में परिवार, शिक्षा और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। बच्चों और युवाओं को यह समझाना जरूरी है कि इंटरनेट पर दिखने वाली हर चीज़ अनुकरण के योग्य नहीं होती। डिजिटल साक्षरता–यानी यह समझ कि ऑनलाइन दुनिया कैसे काम करती है–आज के समय की बड़ी आवश्यकता बन गई है। यदि युवा यह समझ पाएँ कि एल्गोरिद्म कैसे काम करते हैं,व्यूज और लाइक्स कैसे बढ़ते हैं, और किस प्रकार का कंटेंट उन्हें प्रभावित कर सकता है, तो वे अधिक जागरूक निर्णय ले सकेंगे। कंटेंट क्रिएटर्स की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। जो लोग लाखों दर्शकों तक पहुंच रखते हैं, उनके पास समाज को प्रभावित करने की शक्ति भी होती है। यदि वे अपनी लोकप्रियता का उपयोग सकारात्मक संदेश, रचनात्मक कला और प्रेरणादायक सामग्री के लिए करें,तो वही सोशल मीडिया समाज के लिए एक सशक्त मंच बन सकता है।

कई उदाहरण ऐसे भी हैं जहां क्रिएटर्स ने शिक्षा, लोक संस्कृति,भाषा और परंपराओं को बढ़ावा देने का काम किया है और लाखों लोगों को प्रभावित किया है। इसलिए समाधान केवल विरोध या बहिष्कार में नहीं, बल्कि संतुलित दृष्टिकोण में है। समाज को यह तय करना होगा कि वह किस प्रकार के कंटेंट को बढ़ावा देना चाहता है। यदि दर्शक रचनात्मक, ज्ञानवर्धक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध सामग्री को अधिक समर्थन देंगे,तो स्वाभाविक रूप से वही कंटेंट अधिक दिखाई देगा। सोशल मीडिया का एल्गोरिद्म अंततः दर्शकों की पसंद पर ही निर्भर करता है। इसके साथ ही प्लेटफॉर्म कंपनियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे ऐसे मानक और नीतियाँ विकसित करें जो समाज के व्यापक हितों का ध्यान रखें। कई प्लेटफॉर्म पहले से ही समुदाय दिशानिर्देश लागू करते हैं, लेकिन उनकी प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि उन्हें कितनी गंभीरता से लागू किया जाता है। अंततः यह समझना जरूरी है कि संस्कृति की रक्षा केवल नारों या हैशटैग से नहीं होती। संस्कृति तब मजबूत होती है जब

समाज अपने व्यवहार, चुनाव और प्राथमिकताओं के माध्यम से उसे जीवित रखता है। यदि हम वास्तव में अपनी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखना चाहते हैं,तो हमें सकारात्मक विकल्पों को बढ़ावा देना होगा–चाहे वह लोक कला हो,पारंपरिक संगीत हो,साहित्य हो या आधुनिक लेकिन संवेदनशील और जिम्मेदार मनोरंजन। सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है। यह समाज को जोड़ भी सकता है और भटका भी सकता है। फर्क केवल इस बात से पड़ता है कि हम इसे किस तरह उपयोग करते हैं। यदि क्रिएटर्स जिम्मेदारी के साथ कंटेंट बनाएँ और दर्शक विवेकपूर्ण तरीके से उसे चुनें, तो यही प्लेटफॉर्म संस्कृति के संरक्षण और रचनात्मक अभिव्यक्ति का सबसे बड़ा मंच बन सकता है। आखिरकार संस्कृति किसी एक व्यक्ति,एक वीडियो या एक ट्रेंड से न तो बनती है और न ही खत्म होती है। यह समाज की सामूहिक चेतना और निर्णयों से आकार लेती है। इसलिए यह जिम्मेदारी हम सबकी है–क्रिएटर की भी,दर्शक की भी और समाज की भी।

ईश्वरों के ईश्वर का हृदयगान है भगवद्गीता !

नर्मदापुरम मध्यप्रदेश

जीवन के महाविनाशकारी परिदृश्य से पूर्व की विभीषिका में ईश्वरों के ईश्वर श्रीकृष्ण के हृदयगान से तरंगित माधुर्यपूर्ण! गीता सच मायने में भगवान श्रीकृष्ण का हृदय है, जिसमें हरव्यक्ति स्थान प्राप्त किये बिना अपूर्ण है। यह आश्चर्य का विषय है कि कुरुक्षेत्र मै युद्ध के लिये कौरवों और पाण्डवों की सेनाएँ भयानक अस्त्र-शस्त्रों से सुसज्जित होकर खड़ी थीं। महाविनाश की स्पष्ट सम्भावना तथा स्वजनों के मोह के कारण अर्जुन अपने कर्तव्य से विचलित होकर किंकर्तव्यविमूढ़ हो गये थे। इन्हीं विषम परिस्थितियों में भगवान् श्रीकृष्ण अर्जुन को जिस ज्ञानामृत का पान कराकर उत्साहित एवं स्वचित्त किया,वही भगवद् गीता है। कुरुक्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण जब अर्जुन को अपने हृदय की अन्तस् गहराइयों में गीतामृत से स्नान करा रहे थे, तब महान से महान योद्धा,गुरु आदी इससे वंचित थे मात्र दिव्यचक्षु प्राप्त अर्जुन और संजय ही इसके साक्षी थे,स्पष्ट है बिना दिव्यता की प्राप्ति के इस नाशवान शरीर को प्राप्त चक्षुओंवाले सभी इससे अनभिज्ञ और वंचित रहे। भगवद्गीता ईश्वरों के भी ईश्वर क्षीरसागरसागरवासी जगदीश्वर श्री नारायण के अवतार रूप श्रीकृष्ण का दिव्य संगीत है जो लीलाधारी के सुदर्शनचक्रधारी विश्वस्वरूप दिखाए जाते समय गीता रूप उनके हृदय के भीतर नहीं रह सका, छलक पड़ा और उन्होंने अपनी वाणी में बोलकर गीता का उपदेश किया। आज समस्त वैदिक साहित्य का अध्ययन कर पाना सम्भव नहीं है। भगवदगीता समस्त वैदिक साहित्य का सार है, और इसका प्रवचन स्वयं भगवान ने गीता में किया है। - गीता माहात्म्य 4) भगवान की नाभि में एक कमल है, कमल में ब्रह्मा हैं, ब्रह्मा के मुँहसे वेदका उच्चारण हुआ है। गीता भगवान् के हृदयमें छिपी रह गयी। वह नाभिपद्म में अथवा ब्रह्माजी के मुँह में नहीं आयी,स्वयं छलक पड़ी हृदयसे और नाभिपथ तथा ब्रह्माका सहारा लिये बिना भगवान् के मुखपद्म से प्रकट हुई-गीता सुगीता कर्तव्या किमन्यैःशास्त्रविस्तरैः। स्वयं पद्मनाभस्य मुखपद्माद्विनिः सृता। यह भगवान् श्रीकृष्ण की इस जगत पर असीम करुणा ही है, जो गीता के रूप में दीन-हीन का उद्धार करने के लिए सबका मंगल, सबका कल्याण करनेके लिए प्रकट हुई है। भगवद्गीता परमेश्वर की वाणी है। वे इसमें जीवात्मा एवं परमात्माकी पूर्ण एकता की बात कहते हैं और उस सनातन कर्ममार्ग का उपदेश देते हैं जो मोह-निशा में सोनेवाले अज्ञानी जीव और पूर्णता को प्राप्त हुए ज्ञानी महात्माओं के बीच मै होकर जानेवाला मार्ग है। गीता का एक भी अक्षर,एक भी शब्द, एक वाक्य भी ऐसा नहीं है जो संगीत से अछूता हो, जो भी इसका पाठ अथवा ऊँचे स्वर से गाना भी चाहे तो गाकर एक योग सिद्धि को प्राप्त हो सकता है। गीता को चाहे बहिरंग दृष्टि से देखें या अन्तरंग दृष्टि से,वह ईश्वरीय प्रकाश को साक्षात् रूप से हमारे सामने प्रतिविस्थित करती है। उस वाणीके प्रति,जो थोड़े से शब्दोंमें हमारे ईश्वरत्व की अपरिमेय विभूति को प्रकट करती है,अपना श्रद्धायुक्त सम्मान का भाव व्यक्त करने के लिये इससे अधिक हम क्या कह सकते श्रीमदभागवत गीता हम सबके जीवन के लिए कल्याणकारी होने से परम आवश्यक है, पर समाज के बड़ा अंग महाभारत ग्रन्थ से परहेज करता है चुकिं गीता 'महाभारत' का ही एक अंश है,जिसे 'पञ्चम वेद' माना गया है।

महाभारत का युद्ध एक ऐतिहासिक घटना है, हिन्दुओंका सदासे यही विश्वास है। महाभारत के ऐतिहासिक युद्ध के अवसर पर कुरुक्षेत्र की पुण्यभूमि मै सोलहकलाओं के पूर्ण अवतारी साक्षात् भगवान् श्रीकृष्णके द्वारा गीता का जन्म होने से,युद्ध के वीभत्स नरसंहार को गीता से जोड़ने वाले गीता को स्वीकार नहीं कर पा रहे है। पर इससे परे हटकर जिनकी प्रज्ञा में श्रीमदभागवत गीता को आत्मसात करने की वैचारिकता का भाव आता है वह भगवत्-हृदय की अमृतमयी वाणी गीत को स्पर्श करते ही भावविभोर हो उठता है,पर जिनके हृदयशून्य है उनके लिए यह गीता आज भी उसी प्रकार अनजान और अप्रकट है हैं जैसे गीता कुरुक्षेत्र में उपस्थित महानतम योद्धाओं के लिए थी और वे इससे वंचित रहकर युद्ध में अपने प्राण त्यागने तक इस रहस्य से अनभिज्ञ रहे थे।

हम भी गीता को आत्मसात करने के लिए प्रयासरत है किन्तु श्रीकृष्ण के हृदय से आज से पांच हजार साल पूर्व प्रगट हुई उन दिव्य तरंगों की अमृततुल्यवाणी को उकेरे गए पृष्ठों से पढ़कर हृदय में प्रकाश लाने का प्रयास होता है,किन्तु मन की अस्थिरता पात्रता से वंचित किये ही है। जो विवशता मेरी है,वह अधिकांशतया सभी की हो सकती है, किन्तु जिन्हें सद्गुरु मिलजाए वे भगवन के हृदय के उदगारों को अपने मन-हृदय पर भी स्पर्श कर अपना जीवन धन्यता को प्राप्त होते है। जो अमृतमयी गीता की पवित्रता को प्राप्त करना चाहता है उसे अपना साध्य बनाकर साधनारत होने की और अग्रसर हुए बिना उसका साध्य अपूर्ण ही माना है,एतएव भीतर-चाहर से कुछ पवित्र होकर उसे स्पर्श करने की चेष्टा प्रथम सीढ़ी है जहा तन को शुद्ध करने के लिय ब्रम्हमुहूर्त में स्नान करके शुद्ध वस्त्र पहन,पहले बाहर की पवित्रता को साधना होगा तभी वह भीतर की पवित्रता का पात्र होगा। श्रीमदभागवत गीता को समक्ष रखकर मनमें विचार करो, तुम गीता को नहीं श्रीकृष्ण को स्पर्श करने जा रहे हो । वे कितने पवित्र हैं और तुम कैसे हो? दूसरे लोग तुम्हें नहीं जानते, परन्तु तुम तो अपने को जानते हो और श्रीकृष्ण भी तुम्हें जानते हैं ।

कितने दोष हैं,कितने अपराध बन चुके हैं, कितना पाप कर चुके हो,कितनी अपवित्रताओं ने हृदय में आश्रय ले रक्खा है! बताओ, इस हालतमें श्रीकृष्ण के हृदयरूप इस गीता को कैसे स्पर्श करोगे? श्रीकृष्ण की भावना अपने हृदय में लाइए,पूर्ण समर्पण के साथ कातर होकर एक बार श्रीकृष्ण के स्वभाव को स्मरण कीजिये वे बड़े ही करुणावान क्षमासागर हैं, वे किसी का अपराध नहीं देखते,उनकी ओर जो अपना मुख विस्तारित कर अपना सर्वस्य समर्पित कर दोनों हाथों को फैलाकर पुकारता है वे हाथ फैलाकर उसे हृदय से लगा लेते हैं। वे भोले भक्तोंकी भक्ति में डूबकर इस कलिकाल में चैतन्य महाप्रभु,निंबार्क गोस्वामी, नरसिंहमेहता,मीराबाई,रैदास,कबीर,तुलसीदास, रविदास,नामदेव,तुकाराम,चैतन्य महाप्रभु और रमन महर्षि, शंकराचार्य, समर्थ गुरु रामदास, जैसे सेकड़ों भक्तों को अपनी शरण में ले लेते है तब यदि हम उनके समक्ष कंगाल बनकर पहुचे तो वे हमारे लिए सर्वस्य हो जायेंगे।

हम दुनिया के लोगों के नज़रों में पापी-तापी हो सकते है पर कृष्ण तो दीनबंधु है वे अगति के गति हैं। वे अपने जीवों को निर्मल बनाकर अपनी गोद में उठाने के लिये निरन्तर पुकार रहे हैं,वे सभी को विश्वास दे रहे हैं।

भगवदगीता पूर्ण पुरुषोत्तम परमेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के मुख से निकली है,इसलिये हमें नित्यप्रति ध्यानपूर्वक तथा श्रद्धापूर्वक श्रवण तथा पठन करना चाहिये। आओ! इस गीता को अपने जीवन की नित्य संगिनी बनाइये, गीता का नित्य पाठ कीजिये,पाठ करते-करते जितना हो सके इसका प्रवाह हृदय के अंदर बहाने की चेष्टा कीजिये,श्रीकृष्ण की असीम कृपा आपपर होगी .आपका कल्याण होगा।

भारतीय संप्रभुता और सनातन को समर्पित व्यक्तित्व छत्रपति संभाजी राव

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

11 मार्च का वह पावन दिवस मात्र कैलेंडर की एक तिथि नहीं,बल्कि भारतीय स्वाभिमान के उस प्रखर सूर्य के महाप्रयाण का दिन है,जिसने अपने रक्त की अंतिम बूंद से राष्ट्र की अस्मिता को सींचा था। धर्मवीर छत्रपति संभाजी महाराज का जीवन उस धधकती ज्वाला के समान है,जिसने औरंगजेब के अहंकार को राख में मिला दिया और हिंदवी साम्राज्य की नींव को वज्र जैसी अडिगता प्रदान की। शिवाजी महाराज के स्वर्गारोहण के पश्चात जब चारों ओर से संकट के बादल मंडरा रहे थे और मुगलिया सल्तनत की गिद्ध जैसी दृष्टि दक्षिण भारत को निगलने के लिए आतुर थी, तब शंभू राजा ने उस प्रलयंकारी तूफान के विरुद्ध अकेले खड़े होकर वह शौर्य गाथा लिखी,जिसे सुनकर आज भी कायरों की रूह कांप जाती है। उनका संघर्ष केवल राज्य की सीमाओं को बचाने का नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा का महायज्ञ था। अपने नौ वर्षों के संक्षिप्त किंतु अत्यंत तेजस्वी शासनकाल में उन्होंने मुगलों,सिद्दियों, पुर्तगालियों और अंग्रेजों जैसे शत्रुओं को एक साथ धूल चटाकर यह सिद्ध कर दिया कि शेर का शावक कभी झुकना नहीं जानता।

संभाजी महाराज का जीवन प्रतिकूलताओं की उस कसौटी पर कसा गया था,जहाँ साधारण मनुष्य टूट जाता है,परंतु वे निखरकर कुंदन बन गए। एक ओर औरंगजेब अपनी पूरी शक्ति,अपार धन और विशाल सेना के साथ दक्षिण को रौंदने आया था,तो दूसरी ओर स्वराज के भीतर छिपे गद्दारों और षड्यंत्रकारियों का जाल बिछा हुआ था। उन्हें अपनों के विश्वासघात और शत्रुओं के क्रूर आक्रमणों के बीच एक साथ युद्ध लड़ना पड़ा। आर्थिक तंगी,किलों की घेराबंदी और निरंतर सैन्य अभियानों के बावजूद उन्होंने एक भी किला मुगलों के हाथ नहीं लगने दिया। संभाजी महाराज ने युद्ध के मैदान में बिजली की गति से प्रहार किया और मुगलों की रसद काट दी, जिससे औरंगजेब जैसा क्रूर शासक भी वर्षों तक भटकने के लिए विवश हो गया। उनके जीवन का वह अंतिम अध्याय तो मनुष्यता के इतिहास में वीरता की पराकाष्ठा है। जब संगमेश्वर में विश्वासघात के कारण वे पकड़े गए,तो औरंगजेब ने उन्हें अपमानित करने और धर्म परिवर्तन कराने के लिए अमानवीय प्रताड़नाओं का सहारा लिया। उनकी आंखें निकाल ली गईं, जीभ काट दी गई और खाल तक उधेड़ दी गई, किंतु उस महामानव के मुख से केवल 'नमो नमः शिवाय' और स्वधर्म के प्रति निष्ठा ही प्रकट हुई। उन्होंने मृत्यु को तो गले लगाया,लेकिन अपने स्वाभिमान और पूर्वजों के धर्म को आंच नहीं आने दी। उनकी शहादत ने पूरे महाराष्ट्र में वह ज्वाला प्रज्वलित की,जिसने अंततः मुगल साम्राज्य का अंत कर दिया।

संभाजी महाराज ने भारतीय इतिहास के समक्ष वह आदर्श स्थापित किया,जो सिखाता है कि राष्ट्र के लिए बलिदान होना किसी पराजय का नाम नहीं, बल्कि अमरता का मार्ग है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि जब सिद्धांत और प्राणों के बीच चुनाव करना हो, तो सिद्धांतों के लिए प्राणों की आहुति देना ही श्रेष्ठ है। उनके जीवन दर्शन से हमें यह सीख मिलती है कि शत्रु चाहे कितना भी बलवान क्यों न हो,यदि मन में दृढ़ निश्चय और धर्म के प्रति अटूट आस्था हो, तो उसे घुटने टेकने पर मजबूर किया जा सकता है। वे केवल एक योद्धा ही नहीं,बल्कि संस्कृत के प्रकांड विद्वान और प्रजावत्सल शासक भी थे। उन्होंने सिखाया कि ज्ञान और वीरता का संगम ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। आज के भारतीय नागरिकों को उनके जीवन से यह गंभीर पाठ पढ़ने की आवश्यकता है कि देश के भीतर पनपने वाली गद्दारी और फूट किसी भी बाहरी आक्रमणकारी से अधिक घातक होती है। इतिहास साक्षी है कि यदि संभाजी महाराज के साथ अपनों ने विश्वासघात न किया होता,तो भारत का चित्र कुछ और ही होता।

प्रिया देवांगन 'प्रियू'
राजिम, जिला - गरियाबंद छत्तीसगढ़

आह्वान

जाग उठो हे वीर पुत्र तुम,अपनी ताकत को पहचानो।
नस-नस भर लो नई उमंगे,लक्ष्य नेक अंतर्मन ठानो।।
शूल मिलेंगे तुम्हें डगर पर,धूल धूसरित पाँव तुम्हारे।
रक्त बहे तो डर ना जाना,थम ना जाना किसी किनारे।।

प्रण लो भारत की रक्षा का,नित सबल राष्ट्र निर्माण करो।
तज कर अपनी गहरी निद्रा,कदम बढ़ाओ हथियार धरो।।
छुप कर बैठे छलिया सारे,चुन-चुन प्रहार वे करते हैं।
घात लगाते गीदड़ जैसे,नोच-नोच कर दम भरते हैं।।

हे भारत के वीर सपूतों,कर दो इनकी बोटी-बोटी।
करो धराशायी दुश्मन को,होती जिनकी नीयत खोटी।।
शीश तुम्हारा कभी झुके ना,जीना दुश्वार नहीं होगा।
एक-एक को धूल चटा दो,पीछे से वार नहीं होगा।।

आसमान जैसी चट्टानें,इर्द-गिर्द है गहरी खाई।
साहस रख कर चलना वीरों,देख डरो ना ये कठिनाई।।
धन्य करो यह जन्म तुम्हारा,दे दो अपनी तुम कुर्बानी।
याद रखेगी दुनिया सारी,नाम देश के करो जवानी।।

कविता...मापनी:28,यति 16,12 पर

मैं कविता हूँ आज तुम्हारे,
भावों में बसती हूँ।
कर्म-विधा परिवेश स्वयं में,
हर युग में रचती हूँ।।

मैं ही रच प्रतिमान नये,
नव-मूल्य गढ़ा करती हूँ।
अन्यायी का प्रतिकार करें,
मैं साहस भरती हूँ।।

मेरी ही तो गंध सुवासित,
व्यास,सूर तुलसी हैं।
दे मुझको अवदान
काव्य सब,
वाग्देवी हुलसी हैं।।

आ-ग्रंथ सब कविता मय है,
जीवन संगीत सुनाते।
वाह्य-जगत में जो कुछ
खोया,
सब अंतस में पाते।।

कविता में लय,
रस,गति सब है,
सभी कला की जननी।
यह पुरुषार्थों की माता है,
अद्भुत इसकी करनी।।

कविते!तुम्हें नमन है मेरा,
दिव्य-भाव रक्षक हो।
करती सदा सजग मानव
को, हीन-भाव भक्षक हो।।

जब तक कविता शेष
मनुजता, कभी नहीं हारेगी।
संकट जायें चाहें जितने,
सभी स्वयं टारेगी।।

राज किशोर वाजपेयी 'अभय', ग्वालियर

अपने दिल-दिमाग में वो हिम्मत और होश जगाएं...

डॉ.मुश्ताक अहमद शाह

मानसिक मज़बूती ही शांत और मज़बूत ज़िंदगी का सबसे बड़ा राज है, क्योंकि अगर आप ज़िंदगी के हर तूफ़ान चाहे वो रिश्तों की लहरें हों,नाकामयाबियों के ज्वार हों या दुनिया की बेरुखी में पत्थर की तरह अटल खड़े रहना चाहते हैं, तो अपने दिल-दिमाग में वो हिम्मत और होश जगाएं।याद रखें,असली मज़बूत इंसान वो नहीं जो कभी गिरे ही न,बल्कि वो है जो हर ठोकर खाकर पहले से कहीं ज़्यादा जोश, सब्र और यकीन के साथ उठ खड़ा हो जाता है,इसकी सुनहरी कुंजियां हैं उम्मीदों का खात्मा,यानी अपनी खुशियों की चाबी कभी दूसरों के हवाले न करें ताकि उनकी बेरुखी से आधी परेशानियां खुद मिट जाएं, हक़ीक़त को कड़वे सच के साथ कबूलना कि ज़िंदगी इंसाफ़ की गारंटी नहीं देती और हालात आपकी मर्ज़ी से न सही,लेकिन आपका जवाब हमेशा आपके काबू में है, खुद्दारी की हिफ़ाज़त यानी मोहब्बत-तवज्जो की भीख न मांगें बल्कि अपनी शख्सियत को ऐसा चमकदार बनाएं कि लोग आपकी क़द्र करने को मजबूर हो जाएं क्योंकि भीख का सुकून कभी टिकता ही नहीं,जज्बातों पर पक्का काबू रखना ताकि गुस्से,डर या शोरगुल की आंधी में भी दिलो-दिमाग़ सुकून से फैसले लें जो कमजोरी न दिखाएं,सकारात्मक नजरिया अपनाना यानी छोटी-बड़ी बातों को दिल पर न चढ़ने दें और मुश्किलों की बजाय उनके हल पर नजर जमाएं,क्योंकि खुद पर अटूट यकीन ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बन जाता है,और आखिर में, जहरिले लोगों,नेगेटिव ख्यालों और बेकार रिश्तों से दूरी ही अपनाएं क्योंकि आपका मानसिक सुकून किसी भी फ़ायदे या रस्म से कहीं ऊंचा है और जब आप खुद को बदल लेते हैं तो इर्द-गिर्द की पूरी दुनिया हवा के झोंके की तरह खुद-ब-खुद निखरने लगती है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार किशोर की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
जयनगर के महेशपुर के पास मंगलवार को अज्ञात वाहन ने बाइक सवार किशोर को टक्कर मार दी। हादसे में किशोर गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार आदित्य सिंह पिता रामचंद्र सिंह उम्र 16 वर्ष जुड़वानी लटोरी थाना जयनगर का रहने वाला था। वह मंगलवार को किसी काम से बाइक से अंबिकापुर आया था। अंबिकापुर से काम निपटाने के बाद वापस लौट रहा था। रास्ते में महेशपुर के पास अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में आदित्य गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। स्थानीय लोग ने उसी के मोबाइल से परिजन को जानकारी दी। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान बुधवार की सुबह उसकी मौत हो गई।

फर्जी ऋण पुस्तिका बनाकर जमीन रजिस्ट्री कराने का मामला,एक आरोपी गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की कार्रवाई,कूटरचना कर जमीन विक्रय का आरोप,अन्य आरोपियों की तलाश जारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मार्च 2026
(घटती-घटना)।
फर्जी ऋण पुस्तिका तैयार कर जमीन की रजिस्ट्री कराने के मामले में कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामला मायापुर क्षेत्र की जमीन से जुड़ा है, जिसमें कूटरचना कर धोखाधड़ी किए जाने की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार मायापुर निवासी फैजान आलम अंसारी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी दादी स्वर्गीय जमीला खातून के नाम पर मायापुर में खसरा नंबर 1688/14 रकबा 10 डिसमिल जमीन थी। वर्ष 2019 में उनकी दादी ने अपने जीवनकाल में इस जमीन की वसीयत दो हिस्सों में कर दी थी। शिकायत में बताया गया कि वर्ष 2021 में उनकी बड़ी बुआ के पुत्र अहमद अली और अन्य लोगों ने परिवार के अन्य सदस्यों को बिना जानकारी दिए जमीन का विक्रय पंजीयन अपने पक्ष में करा लिया। दस्तावेजों की जांच करने पर पाया गया कि पंजीयन में दर्ज ऋण पुस्तिका क्रमांक पी-1948564 है, जबकि असली ऋण पुस्तिका क्रमांक एल-22055 है। भू-अभिलेखों की जांच में यह भी सामने आया कि पी-1948564 क्रमांक की ऋण पुस्तिका शासन द्वारा जारी ही नहीं की गई है। आरोप है कि जमीन के विक्रय के लिए फर्जी ऋण पुस्तिका तैयार कर कूटरचना की गई और बिना कलेक्टर की अनुमति के जमीन की रजिस्ट्री करा ली गई। मामले में कोतवाली थाना में धारा 420, 467, 468, 471 और 34 भादवि के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

आरोपी से पूछताछ, दस्तावेज जब्त

विवेचना के दौरान पुलिस ने प्रार्थी और गवाहों के बयान दर्ज किए तथा मूल ऋण पुस्तिका जब्त की। पूछताछ के लिए आरोपी अहमद अली (48) निवासी मायापुर को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने फर्जी ऋण पुस्तिका के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं दी। पुलिस ने उसके पास से जमीन की रजिस्ट्री की मूल प्रति और संबंधित दस्तावेजों की प्रतियां भी जब्त की हैं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी अभी बाकी है और उनकी तलाश की जा रही है।

छोटे भाई ने छीना मोबाइल तो किशोरी ने कीटनाशक सेवन कर की आत्महत्या

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
त्रिकुंडा थान क्षेत्र के ग्राम शारदापुर में मामूली सी बात पर किशोरी ने कीटनाशक सेवन कर आत्महत्या कर ली। दरअसल 9 मार्च को किशोरी मोबाइल देख रही थी, इस दौरान छोटे भाई ने उसके हाथ से मोबाइल छीन लिया। इसी बात को लेकर उसने आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार प्रवंती पिता कुंवर नायक उम्र 17 वर्ष ग्राम शारदापुर थाना त्रिकुंडा की रहने वाली थी। इसके माता-पिता मेहमानी में गए थे। घर में प्रवंती इसका छोटा भाई सूर्यलाल व अन्य लोग थे। 9 मार्च को प्रवंती मोबाइल देख रही थी। इस दौरान छोटा भाई उसके हाथ से मोबाइल छीन लिया और खूद देखने लगा। इस लिए क्षुब्द हो गई और गुस्से में आकर कीटनाशक सेवन कर ली। कीटनाशक सेवन किए जाने की जानकारी परिजन को मिली। परिजन घर पहुंचे और उसे इलाज के लिए वाड्रफनगर ले गए। यहां चिकित्सक ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

ताम्रकार समाज की बैठक संपन्न,शिक्षा-स्वास्थ्य व सामाजिक मुद्दों पर हुई चर्चा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
ताम्रकार समाज की बैठक मंगलवार को जोड़ा पीपल स्थित ताम्रकार समाज भवन में आयोजित की गई। बैठक में समाज के उत्थान और विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य और विवाह जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बिंदुवार विचार-विमर्श किया गया। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि हर माह के प्रथम सप्ताह के मंगलवार को नियमित बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि समाज के विकास से जुड़े कार्यों पर लगातार चर्चा और निर्णय लिए जा सकें। बैठक में ताम्रकार समाज के युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और समाज के प्रति अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। इस अवसर पर अजय ताम्रकार, अनिल ताम्रकार, आनंद ताम्रकार, अंकित ताम्रकार, अरुण ताम्रकार, संजु ताम्रकार, अनुप ताम्रकार, दिलीप ताम्रकार, अभिषेक ताम्रकार, प्रेम ताम्रकार, संतोष ताम्रकार, संतोष ताम्रकार (करमू), पप्पी ताम्रकार, विशाल ताम्रकार, गौरव ताम्रकार, अनीश ताम्रकार, संदीप ताम्रकार, ओमप्रकाश ताम्रकार, नंदकुमार ताम्रकार, अक्षय ताम्रकार, अंतोष ताम्रकार, रजत ताम्रकार, अनुज ताम्रकार, सारांश ताम्रकार, संतोष ताम्रकार और जितेन्द्र ताम्रकार सहित समाज के कई सदस्य उपस्थित रहे।

भाथूपारा तालाब में अतिक्रमण का आरोप,पार्षद ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मार्च 2026
(घटती-घटना)।
शहर के रिंग रोड से लगे भाथूपारा तालाब को पाटकर अवैध अतिक्रमण किए जाने के मामले को लेकर नगर निगम पार्षद शुभम जायसवाल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराने और दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि भाथूपारा तालाब के कई हिस्सों को वर्षों से पाटकर उस पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। इससे तालाब का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। आरोप है कि तालाब के करीब 30 प्रतिशत हिस्से को पाटकर वहां मकान और गैरेज का निर्माण कर लिया गया है। पार्षद का कहना है कि अब कुछ भू-माफिया तालाब के उत्तरी हिस्से को भी पाटकर समतलीकरण कर उस पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे तालाब का क्षेत्र लगातार कम होता जा रहा है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि तालाब से लगे एक होटल व्यवसायी द्वारा होटल के पीछे स्थित निस्तारी नाले को भी पाटा

जा रहा है। यह नाला शहर के बड़े हिस्से का वर्षा जल बहाव मार्ग है। बताया गया कि पिछले वर्ष बारिश के दौरान नाले का बहाव बाधित होने से कुंडला सिटी कॉलोनी में जलभराव की स्थिति बन गई थी। यदि नाले को पूरी तरह पाट दिया गया तो भविष्य में शहर के बड़े हिस्से में बारिश के समय जलभराव की गंभीर समस्या हो सकती है।

भजन-कीर्तन में गया था परिवार,सूने मकान से 6 लाख नकद व जेवर पार

राधा-कृष्ण मंदिर के पास वारदात,दान पेटी के 3.80 लाख भी चोरी,बस स्टैंड क्षेत्र की कई दुकानों के ताले भी टूटे

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मार्च 2026
(घटती-घटना)।
गांधीनगर थाना क्षेत्र के सुभाषनगर स्थित राधा-कृष्ण मंदिर के पास मंगलवार रात सूने मकान में चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। परिवार के लोग मंदिर में चल रहे भजन-कीर्तन में शामिल होने गए थे। इसी दौरान चोरों ने पीछे का दरवाजा तोड़कर घर में घुसकर अलमारी में रखे करीब 6 लाख रुपए नकद और जेवरात चोरी कर लिए। जानकारी के अनुसार सुभाषनगर निवासी बिक्की हालदार का घर राधा-कृष्ण मंदिर के पास है। मंदिर में पिछले दो-तीन दिनों से भजन-कीर्तन का

आयोजन चल रहा है। मंगलवार शाम को बिक्की हालदार का पूरा परिवार कार्यक्रम में शामिल होने मंदिर चला गया था। रात करीब 10.30 बजे जब परिवार वापस घर लौटा तो पीछे का दरवाजा टूटा मिला और घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने अलमारी का ताला तोड़कर लगभग 6 लाख रुपए नकद और जेवरात पार कर दिए। बताया जा रहा है कि चोरी गए रुपयों में 3.80 लाख रुपए मंदिर में मिले दान की राशि थी, जिसे मंदिर समिति ने सुरक्षित रखने के लिए बिक्की हालदार के परिवार को दिया था। शेष रकम घर की थी। सूचना मिलने पर गांधीनगर पुलिस और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

बस स्टैंड क्षेत्र की दुकानों में भी चोरी : इधर मंगलवार रात ही चोरों ने प्रतिक्षा बस स्टैंड के पास संचालित 5-6 दुकानों के ताले भी तोड़ दिए।

अमन मोबाइल दुकान सहित कई गुमटी और ठेला नुमा दुकानों में चोरी की घटना सामने आई है। पुलिस इन मामलों की भी जांच कर रही है।

पत्नी की डंडे से मारकर हत्या,आरोपी पति गिरफ्तार

घरेलू विवाद के दौरान वारदात,लुंड्रा थाना क्षेत्र के कुदर झेरी लोंगरी गांव की घटना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मार्च 2026
(घटती-घटना)।
लुंड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम कुदर झेरी लोंगरी में घरेलू विवाद के दौरान पति ने पत्नी की डंडे से मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था,जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार 8 मार्च को ग्राम सरपंच के माध्यम से सूचना मिली कि गांव निवासी दशमल कोरवा ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है और फरार हो गया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतका के ससुर बोदो राम ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बड़ा

बेटा दशमल कोरवा अलग रहता है। पहली पत्नी की मृत्यु के बाद उसने करीब एक साल पहले ग्राम सखौली नवापारा की प्रियंका को दूसरी पत्नी के रूप में घर लाया था। पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। बताया गया कि 7 मार्च की रात करीब 11 से 12 बजे के बीच दोनों के बीच झगड़े की आवाज सुनाई दी थी। अगले दिन सुबह करीब 9 बजे तक घर में कोई हलचल नहीं होने पर परिवार वालों ने जाकर देखा।

कमरे में प्रियंका जमीन पर पड़ी थी और उसके सिर पर चोट के निशान थे। जांच करने पर उसकी मौत हो चुकी थी, जबकि आरोपी घर से फरार था। चना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम कराया और मामले में धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पूछताछ में कबूला अपराध : डीआईजी व एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देश पर लुंड्रा पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। पतासाजी के दौरान आरोपी दशमल उर्फ दशमन कोरवा (35) निवासी कुदर झेरी लोंगरी को पकड़कर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने बताया कि खाना बनाने को लेकर पत्नी से विवाद हुआ था।

गुस्से में आकर उसने डंडे से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी लुंड्रा निरीक्षक प्रदीप कुमार जायसवाल, साइबर सेल प्रभारी एएसआई अजीत मिश्रा सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्य सक्रिय रहे।

अवैध रेत परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई,6 वाहन जब्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मार्च 2026
(घटती-घटना)।
11 मार्च 2026 को प्रकाशित समाचार के आधार पर जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन की शिकायत पर खनिज विभाग द्वारा जांच की गई। जांच के दौरान देवगढ़ धाम के समीप रेणुका नदी तथा मुटकी घाट क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन के मामले पाए गए। खनिज अमले द्वारा कार्रवाई करते हुए चार रेत परिवहन वाहनों को जब्त कर थाना लखनपुर की अभिरक्षा में सौंपा गया। इसके अतिरिक्त रास्ते में अवैध गिट्टी परिवहन करते हुए एक हाईवा वाहन को भी जब्त किया गया। साथ ही अवैध रेत परिवहन करते पाए जाने पर एक अन्य वाहन को जब्त कर थाना मणिपुर की अभिरक्षा में सौंपा गया है। उक्त सभी प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21(4), 21(5) एवं 23 के तहत आगे की कार्रवाई प्रस्तावित की जा रही है। खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व में भी उदयपुर एवं लखनपुर क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पाए जाने पर 15 वाहनों को जब्त किया गया था तथा कुल 2,54,436 रुपये की अर्थदंड राशि खनिज मद में जमा कराई गई है। खनिज अधिकारी अनिल कुमार साहू ने बताया कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध विभाग की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। इस कार्रवाई में खनि निरीक्षक श्री मनोज कुमार, सुपरवाइजर सुरेश सिंह ठाकुर,पंकज कुमार,मंजीत माझी तथा नगर सैनिक राजेश कुमार सहित खनिज विभाग का अमला उपस्थित रहा।

भुगतान नहीं मिलने से नाराज किसानों ने एनएच-43 पर किया चक्का जाम

सीतापुर सहकारी बैंक में दो दिन से भुगतान बंद

-संवाददाता-
सीतापुर,11 मार्च 2026
(घटती-घटना)।
सीतापुर सहकारी बैंक में पिछले दो दिनों से किसानों को भुगतान नहीं मिलने से नाराज किसानों ने बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर कुछ समय के लिए चक्का जाम कर दिया। अचानक हुए जाम से मार्ग पर यातायात कुछ देर के लिए प्रभावित हो गया। किसानों के विरोध की सूचना मिलते ही भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा सरगुजा के जिलाध्यक्ष अनिल निराला उरांव, विधायक प्रतिनिधि श्रवण दास, भाजपा मंडल अध्यक्ष त्रिलोचन सदावर्ती तथा वरिष्ठ नेता सुनील गुप्ता मौके पर पहुंचे। इस दौरान एसडीएम रामसिंह ठाकुर और पुलिस प्रशासन की टीम भी जाम स्थल पर मौजूद रही। मौके पर जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों से चर्चा कर उनकी समस्या सुनी और जल्द समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने समझाइश के बाद कुछ ही मिनटों में चक्का जाम समाप्त कर दिया। किसानों का कहना है कि सीतापुर सहकारी समिति की सीमा (लिमिट) कम होने के कारण भुगतान में दिक्कत आ रही है। उन्होंने समिति की लिमिट कम से कम तीन करोड़ रुपए करने की मांग की, ताकि किसानों को समय पर भुगतान मिल सके और उन्हें बार-बार परेशान न होना पड़े। इस संबंध में भाजपा किसान मोर्चा सरगुजा के जिलाध्यक्ष अनिल निराला उरांव ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर जल्द ही शासन स्तर पर पत्राचार किया जाएगा और समिति की लिमिट बढ़वाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने सीतापुर,बतौली,मैनपाट, लुंड्रा,लखनपुर और उदयपुर ब्लॉक का दौरा कर किसानों की स्थिति का जायजा लेने की भी बात कही।

आयुष्मान वय वंदना योजना के तहत बुजुर्गों को 5 लाख तक मुफ्त इलाज,महाअभियान में 1756 कार्ड बनाए गए

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मार्च 2026
(घटती-घटना)।
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत संचालित आयुष्मान वय वंदना योजना के तहत जिले में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्ड निर्माण का विशेष महाअभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत सरगुजा जिले में एक ही दिन में 1756 वय वंदना कार्ड बनाए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों का शत-प्रतिशत कार्ड बनाना लक्ष्य रखा गया है। योजना के तहत पात्र

हितग्राहियों को 5 लाख रुपये तक के निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत बीपीएल परिवारों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया जाता है, वहीं 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को भी 5 लाख रुपये तक की उपचार सुविधा दी जाती है। इसके अलावा एपीएल परिवारों को 50 हजार रुपये तक का लाभ मिलता है। साथ ही मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत 25 लाख रुपये तक की सहायता उपलब्ध कराई जाती है। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में 11 मार्च 2026 को जिले में कार्ड निर्माण के लिए महाअभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्राम स्तर पर सचिव, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों द्वारा शिविर आयोजित कर तथा घर-घर जाकर वरिष्ठ नागरिकों के वय वंदना कार्ड बनाए गए। विशेष रूप से दिव्यांगजनों एवं ऐसे बुजुर्ग जो शिविर स्थल तक नहीं पहुंच सके, उनके घर जाकर भी कार्ड जारी किए गए।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 17,989 कार्ड निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके विरुद्ध अब तक 16,810 कार्ड बनाए जा चुके हैं, जो कि 93.04 प्रतिशत उपलब्धि है। महाअभियान के माध्यम से शेष पात्र हितग्राहियों का भी कार्ड निर्माण सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक बुजुर्गों को निःशुल्क उपचार का लाभ मिल सके।

सीएचसी रामानुजनगर में डॉक्टर सहित कई कर्मचारी अनुपस्थित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मार्च 2026
(घटती-घटना)।
संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं सरगुजा डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने बुधवार को सूरजपुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामानुजनगर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डॉक्टर सहित कई स्वास्थ्यकर्मी अपने कार्य से अनुपस्थित पाए गए। इस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा खंड चिकित्सा अधिकारी को संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण में डॉ. डीके विश्वकर्मा एक दिन,डॉ. आर सिंह दो दिन,स्टाफ नर्स देवकी,एएनएम डी. दुबे,टीके रॉयल एक दिन,पीएन साहू एक दिन,आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुभाष पटेल तथा फार्मासिस्ट ज्ञानेंद्र पांडे तीन दिन से अनुपस्थित पाए गए। इसके अलावा अस्पताल के स्टोर कक्ष में रखी दवाओं पर एक्सपायरी डेट अंकित नहीं मिली।

अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीयन 13 फरवरी से 1 अप्रैल तक, इच्छुक अभ्यर्थी करें आवेदन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मार्च 2026
(घटती-घटना)।
भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। Army Recruiting Office Raipur द्वारा जारी सूचना के अनुसार अग्निवीर भर्ती हेतु ऑनलाइन पंजीयन 13 फरवरी से 01 अप्रैल 2026 तक किया जा सकेगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को आवेदन के लिए Join Indian Army तउल की आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in? पर जाकर ऑनलाइन पंजीयन करना होगा। वेबसाइट पर 'Agnipath' लिंक पर क्लिक कर नए उपयोगकर्ता के रूप में पंजीयन करने के बाद अभ्यर्थी अपनी व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यता, संचार विवरण तथा अन्य आवश्यक जानकारी भरकर आवेदन पूर्ण कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अभ्यर्थियों को निर्धारित शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करना होगा। सफलतापूर्वक आवेदन जमा होने पर सिस्टम द्वारा रोल नंबर जनरेट किया जाएगा। परीक्षा तिथि से लगभग 10-15 दिन पूर्व अभ्यर्थी वेबसाइट से अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे। भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत पहले ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात चयनित अभ्यर्थियों को रैली भर्ती, मेडिकल परीक्षण तथा अंतिम मेरिट सूची के आधार पर प्रशिक्षण केंद्र भेजा जाएगा। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के दूरभाष नंबर 0771-2965212 पर संपर्क कर सकते हैं।

निधन

अम्बिकापुर। सरगुजा के प्रतिष्ठित शिक्षाविद एवं सूरजपुर शासकीय महाविद्यालय से सेवानिवृत प्राचार्य, मिशन चौक निवासी डॉ. राजनाथ पांडेय का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को सुबह 9 बजे शंकर घाट स्थित मुक्तिधाम में किया जाएगा। स्वर्गीय राजनाथ पांडेय, श्रीनाथ फ्यूल कंठी, दरिमा रोड के संचालक रत्नेश पांडेय के पिता थे।

10 साल बाद भी जवाब नहीं : 24.98 लाख की निकासी,जांच और खामोशी का दशक

24.98 लाख का सवाल...शिकायत,जांच और आंशिक जमा...पर अंतिम जवाब अब तक गायब

- दस साल की फाइलें,मगर जवाब शून्यः धान बोनस-फसल बीमा निकासी का रहस्य
- जांच हुई, राशि जमा हुई...फिर भी सच अधूरा क्यों? 24.98 लाख का मामला सवालों में
- 186 किसानों के खाते,24.98 लाख की निकासी...एक दशक बाद भी निष्कर्ष नहीं
- फाइलों में जांच,रिकॉर्ड में राशि...लेकिन अंतिम फैसला कहाँ?
- 2015 में निकासी, 2016 में आंशिक जमा... 2026 में भी निष्कर्ष नहीं
- शिकायत से जांच तक सब दर्ज,लेकिन फैसला गायब–24.98 लाख की कहानी
- सहकारी व्यवस्था पर सवालः किसानों की राशि के प्रकरण का अंत कहाँ?

ऑंकार पाण्डेय

सूरजपुर,11 मार्च 2026 (घटती-घटना)। वर्ष 2014-15 में धान बोनस और फसल बीमा राशि से जुड़े एक प्रकरण में लगभग 24,98,580 की निकासी का उल्लेख आधिकारिक दस्तावेजों में दर्ज है, शिकायतें हुई, विभागीय पत्राचार हुआ, जांच के आदेश जारी हुए, प्रतिवेदन तैयार हुआ,आंशिक राशि जमा होने का उल्लेख भी मिला,लेकिन दस वर्षों बाद भी अंतिम जवाब सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं है,दस्तावेजों के आधार पर तैयार यह फॉलोअप रिपोर्ट उस सवाल को सामने रखती है,जो समय के साथ और गहरा होता गया है,आखिर 10 साल बाद भी पूरा सच सामने क्यों नहीं आया? दस्तावेजों में दर्ज तथ्य यह संकेत देते हैं कि प्रकरण वास्तविक था, जांच हुई थी और वित्तीय लेन-देन दर्ज थे,लेकिन दस वर्षों बाद भी यदि अंतिम जवाब सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है,तो यह केवल एक प्रकरण नहीं, बल्कि जवाबदेही और पारदर्शिता का प्रश्न बन जाता है,सवाल आज भी वही है, 24.98 लाख के इस प्रकरण का अंतिम निष्कर्ष क्या है? और यदि निष्कर्ष है, तो वह सार्वजनिक क्यों नहीं है?

शुरुआतः शिकायत और जांच

फाइल के पहले पृष्ठ पर कलेक्टर, सरगुजा को संबोधित शिकायत दर्ज है,जिसमें धान बोनस/फसल बीमा राशि के आहरण में अनियमितता का आरोप लगाया गया था। शिकायत में जांच की मांग की गई थी,इसके बाद सहकारिता विभाग द्वारा आदेश क्रमांक 2213 (15.10.2015) और 2820 (22.12.2015) जारी कर जांच के निर्देश दिए गए। दस्तावेजों में लगभग 24.98 लाख की राशि का उल्लेख मिलता है।

जांच रिपोर्ट : आहरण और आंशिक जमा

जांच प्रतिवेदन (पृष्ठ 7-10) में दर्ज है किः 11.03.2015 को फसल बीमा मद से 7,48,492.17 का आहरण हुआ, कुल 17,58,000 की अतिरिक्त निकासी विभिन्न खातों से हुई, 28.06.2016 को 14,22,890 जमा किए जाने का उल्लेख है,यह स्पष्ट है कि मामला केवल आरोप नहीं रहा,आहरण और समायोजन दोनों दर्ज हुए।

186 किसानों की सूची

पृष्ठ 14 से 16 में 186 किसानों के नाम, खाता संख्या और राशि का विवरण उपलब्ध है। अंतिम पृष्ठ पर कुल योग 24,98,580.00 अंकित है, यह सूची संकेत देती है कि मामला व्यापक था और कई खातों से संबंधित था।

एक दशक की चुप्पी,दस्तावेजों के अनुसार जांच और आंशिक जमा 2016 तक दर्ज हैं। लेकिन उसके बादः

- क्या पूरी राशि की वसूली हुई?
- क्या विभागीय अंतिम आदेश पारित हुआ?

- क्या किसी के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज हुआ?
- क्या किसानों को आधिकारिक सूचना दी गई? उपलब्ध दस्तावेज इन सवालों के स्पष्ट उत्तर नहीं देते।

कार्रवाई की स्थितिः अस्पष्टता क्यों? दस वर्षों की अवधि में सामान्यतः निम्न संभावनाएँ होती हैं:

1. विभागीय कार्रवाई पूरी हुई पर सार्वजनिक नहीं हुई।
2. मामला अपील/न्यायालय में लंबित रहा।
3. आंशिक वसूली के बाद प्रकरण ठंडा पड़ गया।
4. अंतिम निर्णय फाइलों में सीमित रह गया, हालांकि,इन संभावनाओं की पुष्टि संबंधित अभिलेखों से ही हो सकती है।

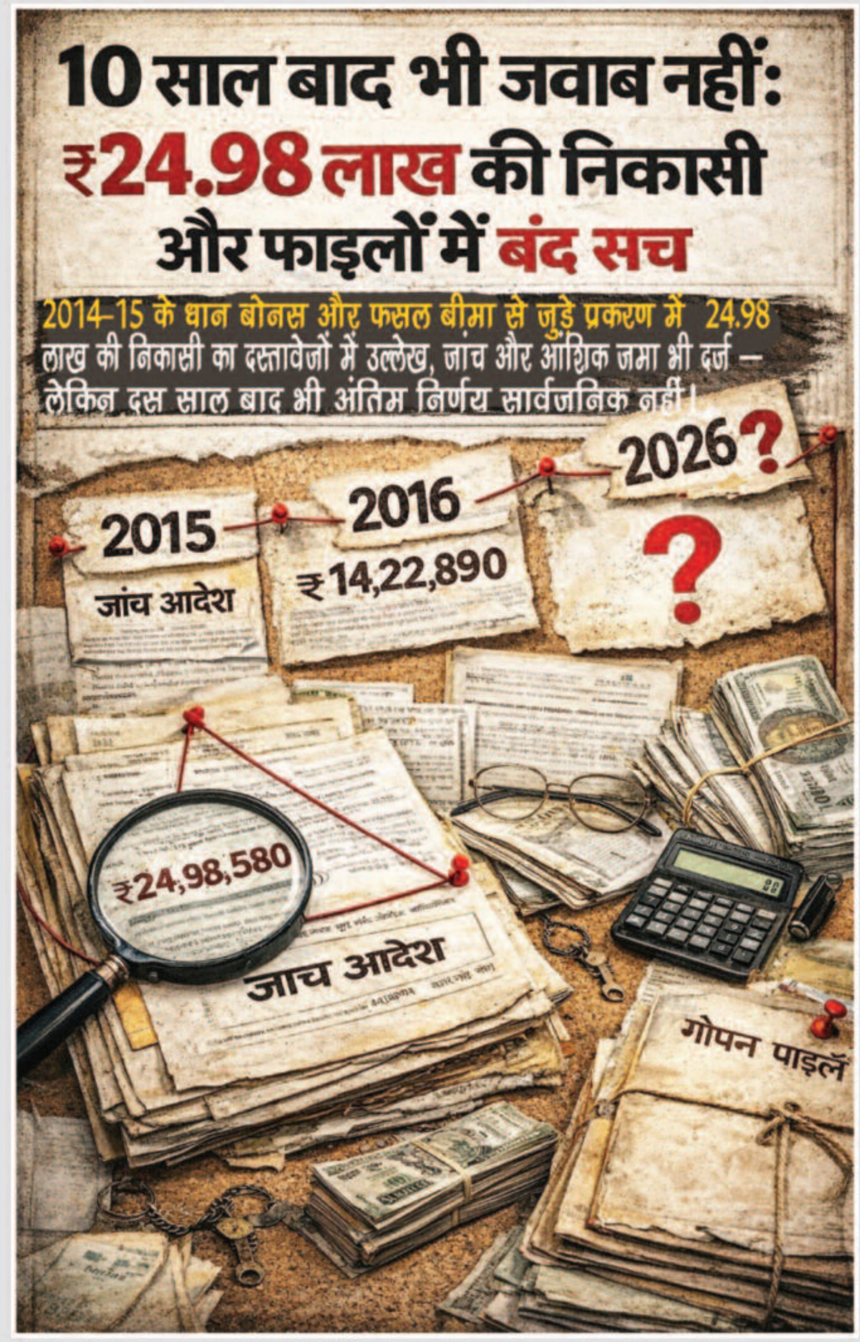

विश्वास का प्रश्न...

धान बोनस और फसल बीमा राशि किसानों के लिए महेज वित्तीय मद नहीं,बल्कि जीविका का आधार होती है,यदि इन योजनाओं से संबंधित प्रकरण वर्षों तक स्पष्ट निष्कर्ष तक न पहुंचे,तो इससे सहकारी बैंकिंग व्यवस्था की पारदर्शिता पर प्रश्न उठते हैं, दस्तावेज यह दिखाते हैं कि शिकायत हुई,जांच हुई,आंशिक राशि जमा हुई – लेकिन दस वर्ष बाद भी अंतिम स्थिति स्पष्ट नहीं है।

अब आगे क्या? यदि मामले की अंतिम स्थिति सार्वजनिक नहीं हुई है,तो पारदर्शिता के लिए

- विभागीय अंतिम आदेश सार्वजनिक किए जा सकते हैं।
- वसूली की स्थिति स्पष्ट की जा सकती है।
- प्रभावित खाताधारकों को लिखित जानकारी दी जा सकती है।
- यदि कोई आपराधिक प्रकरण लंबित है,तो उसकी स्थिति बताई जा सकती है।

इंडियन बैंक की सूरजपुर शाखा के नए परिसर का कलेक्टर ने किया भव्य उद्घाटन

-संवाददाता-

सूरजपुर,11 मार्च 2026 (घटती-घटना)। इंडियन बैंक द्वारा सूरजपुर में अपनी शाखा के नए परिसर का भव्य उद्घाटन किया गया,उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर एवं जिलाधीश एस. जयवर्धन रहे,उन्होंने अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों,व्यापारियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में फीता काटकर शाखा के नए परिसर का औपचारिक उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर एस. जयवर्धन ने कहा कि इंडियन बैंक की नई शाखा से सूरजपुर तथा आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को बैंकिंग सेवाएँ अब और अधिक सहज, सुलभ तथा आधुनिक तकनीक के साथ उपलब्ध होंगी, उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र के आर्थिक विकास में बैंकिंग सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और इस नई शाखा से स्थानीय व्यापार, कृषि एवं रोजगार गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विजेंद्र सिंह पाटले,मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सूरजपुर ने अपने संबोधन में कहा कि इंडियन बैंक की इस शाखा से सूरजपुर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बैंकिंग सेवाओं का लाभ आसानी से मिलेगा, उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लोगों के लिए बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, इंडियन बैंक के अंचल प्रबंधक रूपेश अग्रवाल ने बताया कि सूरजपुर शाखा में ग्राहकों की सुविधा के लिए बेहतर डिजिटल बैंकिंग सेवाएँ, त्वरित ऋण सुविधा,जमा सेवाएँ तथा अन्य आधुनिक बैंकिंग सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बैंक का उद्देश्य सुरक्षित, पारदर्शी और ग्राहक-अनुकूल बैंकिंग अनुभव प्रदान करना है, जिससे अधिक से अधिक लोग बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ सकें, उद्घाटन समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने इंडियन बैंक के इस कदम का स्वागत किया और कहा कि बैंक की यह शाखा सूरजपुर और आसपास के गांवों के व्यापार, कृषि और रोजगार गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगी। इस अवसर पर भीमसेन गोयल (अध्यक्ष, पूर्व पाठ्य पुस्तक निगम),

भोलाप्रसाद अग्रवाल (अध्यक्ष, गौशाला सेवा समिति), ओंकार पांडेय (वाइस चेयरमैन, रेड क्रॉस सोसायटी),रौनक जैन (प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं चैंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव), अनिल गोयल (एडवोकेट व स्टेट बार एसोसिएशन सदस्य), हिमांशु अग्रवाल (चार्टर्ड अकाउंटेंट), केदारनाथ अग्रवाल, राजीव प्रताप सिंह,अधिवक्ता योगेंद्र सिंह, प्रतिष्ठित व्यवसायी कार्तिक गुप्ता, गौतम गुप्ता एवं संजय विश्वकर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, कार्यक्रम का समापन अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ। बैंक प्रबंधन ने आश्वस्त किया कि शाखा के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को उत्कृष्ट और भरोसेमंद बैंकिंग सेवाएँ निरंतर उपलब्ध कराई जाती रहेंगी।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में सूरजपुर की उत्कृष्ट उपलब्धि,तीनों विधानसभा क्षेत्रों से एक भी अपील नहीं

-संवाददाता-

सूरजपुर,11 मार्च 2026 (घटती-घटना)। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के संदर्भ में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को किया गया, इस पूरी प्रक्रिया में सूरजपुर जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है,जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों से अंतिम प्रकाशन के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष एक भी अपील प्राप्त नहीं हुई,जिस पर भारत निर्वाचन आयोग ने जिले की सराहना की है।

पारदर्शी और विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन– मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद इसे सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को निःशुल्क उपलब्ध कराया गया, साथ ही आम नागरिकों के अवलोकन के लिए जिले के सभी मतदान केंद्रों एवं सूरजपुर जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर भी प्रकाशित किया गया, कैटेगरी-सी (लॉजिकल डिस्क्रिपेंसीज) के अंतर्गत जिन मतदाताओं को सुनवाई के लिए नोटिस जारी किए गए थे, उनकी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के माध्यम से विधिवत सुनवाई की गई। इस प्रक्रिया में अपात्र पाए गए मतदाताओं के नाम नियमानुसार मतदाता सूची से विलोपित किए गए, साथ ही जिन मतदाताओं को इस कार्यवाही से आपत्ति थी, उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 24(क) तथा मतदाता पंजीकरण नियम 1960 के नियम 27 के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष 15 दिनों के भीतर अपील प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान किया गया था।

'कोई पात्र मतदाता न छूटे,कोई अपात्र न जुड़े' रहा मूल उद्देश्य

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एस . जयवर्धन के मार्गदर्शन में संपूर्ण पुनरीक्षण प्रक्रिया इस उद्देश्य के साथ संचालित की गई कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रह जाए और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो, इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन कार्य किया गया।

राजनीतिक दलों और नागरिकों की सराहनीय भागीदारी

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों और उनके बूथ लेवल एजेंटों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई,दावा-आपत्ति अवधि के दौरान निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा आयोजित साप्ताहिक बैठकों और जिला निर्वाचन कार्यालय में आयोजित बैठकों में राजनीतिक दलों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

तीनों विधानसभा क्षेत्रों से शून्य अपील

जिले के 04-प्रेमनगर, 05-भटगांव और 06-प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्रों से मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष एक भी अपील प्राप्त नहीं हुई,यह इस बात का प्रमाण है कि संपूर्ण पुनरीक्षण प्रक्रिया पारदर्शिता,निष्पक्षता और विधिसम्मत तरीके से संपन्न हुई,इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर भारत निर्वाचन आयोग ने सूरजपुर जिले के कार्यों की सराहना की है।

धूम्रपान निषेध दिवस पर जागरूकता रथ रवाना,कोटपा एक्ट के उल्लंघन पर 18 दुकानदारों पर कार्रवाई...

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,11 मार्च 2026 (घटती-घटना)। जिले में धूम्रपान के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से धूम्रपान निषेध दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर शहर में जागरूकता रथ रवाना किया गया, जो विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आमजन को तंबाकू एवं धूम्रपान के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को ने बताया कि धूम्रपान आज के समय में एक गंभीर वैश्विक समस्या बन चुकी है। यह न

केवल धूम्रपान करने वाले व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है,बल्कि उसके आसपास रहने वाले लोगों को भी सेकेंड हैंड स्मोकिंग के माध्यम से प्रभावित करता है। इसलिए लोगों को इस आदत से दूर रहने के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता ने बताया कि धूम्रपान के कारण फेफड़ों का कैंसर, हृदय रोग, ब्रोंकाइटिस और अस्थमा जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। एक सर्वे के अनुसार तंबाकू के सेवन से हर वर्ष विश्व में लगभग 80 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु होती है। निकोटीन के कारण रक्तचाप बढ़ता है तथा हृदय की धमनियों में रुकावट उत्पन्न होती है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि धूम्रपान केवल स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि आर्थिक रूप से भी हानिकारक है, क्योंकि इससे व्यक्ति की मेहनत की कमाई सिगरेट और बीमारियों के इलाज में खर्च हो जाती है। वहीं धूम्रपान छोड़ने से शरीर में सकारात्मक बदलाव शुरू हो जाते हैं। कुछ ही घंटों में शरीर में कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर सामान्य होने लगता है और रक्तचाप में सुधार आता है। धूम्रपान छोड़ने से जीवन प्रत्याशा में लगभग 10 वर्ष तक की वृद्धि हो सकती है तथा फेफड़ों की कार्यक्षमता में भी सुधार होता है। इस अवसर पर सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 के तहत स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग एवं खाद्य एवं औषधि विभाग के संयुक्त दल द्वारा अम्बिकापुर शहर के विभिन्न मार्गों पर निरीक्षण अभियान चलाया गया।

शराब के नशे में स्कूल पहुँचे संकुल समन्वयक,मौजूद जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने शुरू कर दिया हंगामा

-संवाददाता-

बलरामपुर,11 मार्च 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से शिक्षा विभाग को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। रामानुजगंज विकासखंड के सुंदरपुर प्राथमिक शाला में एक संकुल समन्वयक शराब के नशे में धुत होकर पहुँच गए। जब ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें इस हालत में देखा और विरोध किया, तो समन्वयक महोदय अपनी गलती सुधारने के बजाय डर के मारे रोने लगे और खुद को स्कूल के बाथरूम में बंद कर लिया।

मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर करीब 3:30 बजे सुंदरपुर स्कूल के पास बच्चे बाहर खेलते हुए पाए गए, जबकि स्कूल के भीतर कोई भी शिक्षक मौजूद नहीं था। इसकी सूचना जब ग्रामीणों ने संकुल प्राचार्य को दी, तो उन्होंने पिपपान के संकुल समन्वयक जगदीश सिंह को जांच के लिए मौके पर भेजा। जांच करने पहुँचे जगदीश सिंह खुद ही शराब के नशे में पूरी तरह धुत थे। उन्हें इस अवस्था में देखकर मौके पर मौजूद जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। ग्रामीणों को आक्रामक देख समन्वयक घबरा गए और रोते हुए बाथरूम में जाकर छिप गए। ग्रामीणों ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। मामला तूल पकड़ते ही बुधवार को विकासखंड शिक्षा अधिकारी विजय कुशवाहा जांच के लिए सुंदरपुर प्राथमिक शाला पहुँचे। उन्होंने बताया कि मंगलवार को जनपद में एक कार्यशाला आयोजित थी।

टाइगर रिजर्व में 'प्यासा विकास'

करोड़ों के डैम सूखे, वन्यजीव बूंद-बूंद को तरसे

तालाबों की जमीनी हकीकत

केस 01 :

मेण्ड्रा बेरियर से गिधेर मार्ग- इस मार्ग पर एक नया तालाब बनाया गया है, लेकिन इसकी हालत देखकर भ्रष्टाचार साफ झलकता है,बगल से काली मिट्टी निकालकर बस एक ऊंची दीवार बना दी गई है और गड्ढा खोदकर औपचारिकता पूरी कर दी गई।

स्थितिः-तालाब पूरी तरह सूखा पड़ा है, यहाँ न कोई सूचना बोर्ड लगा है और न ही लागत की जानकारी उपलब्ध है।

केस 02 :

गिधेर मार्ग (दूसरा स्थान)- इसी मार्ग पर एक पुराना तालाब भी है, जो विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है, यहाँ भी सिर्फ एक तरफ मिट्टी की दीवार है और गड्ढा बहुत छोटा है।

स्थितिः- यह तालाब भी पूरी तरह सूखा है।

केस 03 :

मेण्ड्रा बेरियर से चंदहा मार्ग- यहाँ बनाए गए तालाब में सुरक्षा दीवार तक नहीं बनाई गई है,स्थानीय लोगों के अनुसार यहाँ केवल हल्का गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया।

ग्राउंड रिपोर्टः इस स्थान पर प्यासे हिरण पानी की तलाश में आते देखे गए, लेकिन उन्हें यहाँ सिर्फ सूखी मिट्टी ही मिली।

केस 04 :

मझगवां बीट-मझगवां बीट में स्थित तालाब का पानी का स्तर मार्च की शुरुआत में ही काफी नीचे जा चुका है, विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्थिति यही रही तो अप्रैल तक यह पूरी तरह सूख सकता है।

केस 05 :

मझगवां जंगल (सोनहत)-यह मामला सबसे ज्यादा चौंकाने वाला है, पिछली बरसात में बना यह तालाब पहली ही बारिश में फूट गया था। विभाग ने इसे तिरपाल से ढककर मरम्मत की कोशिश की थी ताकि मामला दबा रहे, लेकिन अब यह तालाब भी लगभग सूख चुका है।

स्टॉप डैम की स्थिति और भी खराब

तालाबों के अलावा वन विभाग ने कई स्थानों पर स्टॉप डैम भी बनाए, इनका उद्देश्य वर्षा जल को रोककर गर्मियों में पानी उपलब्ध कराना था,लेकिन इनकी स्थिति भी तालाबों जैसी ही है।

केस 01 :

मेण्ड्रा बेरियर से गिधेर मार्ग-यहाँ लगभग 7 फीट ऊंची और 60 फीट चौड़ी दीवार वाला स्टॉप डैम बनाया गया है।

स्थितिः-इतने बड़े ढांचे के बावजूद यहाँ एक बूंद पानी भी जमा नहीं है।

केस 02 :

बालमगढ़ी मार्ग-यहाँ भी भारी भरकम स्टॉप डैम बनाया गया है, लेकिन यहाँ भी पानी का नामोनिशान नहीं है।

केस 03 :

पुराना हसदो उद्गम मार्ग- यहाँ बना स्टॉप डैम आकार में छोटा है लेकिन इसकी स्थिति भी वही है, यह पूरी तरह सूखा पड़ा है।

केस 04 :

सिंघोर-सुखतरा मार्ग- इस डैम के निर्माण को लेकर पहले भी शिकायतें हुई थीं, स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटिया सामग्री से निर्माण किया गया था,आज यह डैम भी सूखा पड़ा है।

- करोड़ों का जल संरक्षण 'कागजों में',जंगल में सूखे तालाब और डैम
- वन्यजीवों के नाम पर बजट का खेल ? मार्च में ही दम तोड़ते करोड़ों के जलस्रोत
- जंगल में पानी नहीं,पर खर्च करोड़ों - गुरु घासीदास पार्क में बड़ा सवाल
- कागजों में तालाब लबालब,जमीन पर सूखा गड्ढा - टाइगर प्रोजेक्ट पर उठे सवाल
- भ्रष्टाचार की प्यास में सूखे जलस्रोत : वन्यजीवों की जिंदगी से खिलवाड़
- सफेद हाथी बने करोड़ों के स्टॉप डैम : मार्च में ही 20 लीटर पानी को तरस रहे 20 लाख के ढांचे
- टाइगर रिजर्व के नाम पर करोड़ों की बर्बादी,सूखे तालाबों से प्यासे वन्यजीव बस्तियों की ओर

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,11 मार्च 2026 (घटती-घटना)। यदि सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत और विकास के नाम पर बजट के दुरुपयोग की तस्वीर देखनी हो तो गुरु घासीदास नेशनल पार्क का दौरा काफी है, कागजों में जल संरक्षण और वन्यजीव संरक्षण के बड़े-बड़े दावे करने वाले इस क्षेत्र में वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत नजर आ रही है। करोड़ों रुपये खर्च कर बनाए गए तालाब और स्टॉप डैम आज सूखे पड़े हैं और वन्यजीव बूंद-बूंद पानी के लिए भटक रहे हैं,टाइगर प्रोजेक्ट की सफलता और वन्यजीव संरक्षण के नाम पर बनाए गए ये जलस्रोत अब सफेद हाथी बनकर खड़े हैं, हैरानी की बात यह है कि लगभग 20 से 25 लाख रुपये की लागत से बने कई स्टॉप डैम में मार्च की शुरुआत में ही 20 लीटर पानी भी जमा नहीं है, यह स्थिति न केवल सरकारी धन की बर्बादी को दर्शाती है बल्कि

वन्यजीवों के अस्तित्व और उनके प्राकृतिक आवास पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रही है, गुरु घासीदास नेशनल पार्क में जल संरक्षण के नाम पर किए गए निर्माण आज भ्रष्टाचार और लापरवाही की कहानी बयां कर रहे हैं, यदि समय रहते इन निर्माणों की जांच नहीं हुई और जल प्रबंधन की ठोस योजना नहीं बनाई गई, तो आने वाले दिनों में वन्यजीवों के लिए पानी का संकट और भी गहरा सकता है।

जवाब मांगते बड़े सवाल

- करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद जलस्रोत सूखे क्यों हैं?
- गलत साइट चयन के लिए जिम्मेदार कौन है?
- बिना तकनीकी निगरानी के निर्माण कार्य कैसे किए गए?
- गर्मियों में वन्यजीवों के लिए पानी की व्यवस्था क्या है?

इंजीनियरिंग निगरानी का अभाव,गुणवत्ता पर सवाल

इन निर्माण कार्यों को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद तकनीकी गुणवत्ता पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया,ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई निर्माण कार्य बिना इंजीनियर की निगरानी के कराए गए,इस कारण कहीं गलत जगह पर तालाब खोद दिए गए,कहीं सिर्फ मिट्टी की दीवार खड़ी कर दी गई,कहीं कंक्रीट संरचनाएं बना दी गई लेकिन जलधारण क्षमता का अध्ययन नहीं किया गया,परिणाम यह हुआ कि लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी ये जलस्रोत आज पानी रोकने में पूरी तरह असफल साबित हो रहे हैं।

कागजों में बहा पानी,जमीन पर सूखे ढांचे

गुरु घासीदास नेशनल पार्क के विभिन्न क्षेत्रों में वन विभाग द्वारा जल संरक्षण के नाम पर तालाब और स्टॉप डैम बनाए गए थे,इनका उद्देश्य यह बताया गया था कि गर्मियों में जब प्राकृतिक जलस्रोत सूख जाते हैं तब इन कृत्रिम जलस्रोतों के माध्यम से वन्यजीवों को पानी उपलब्ध कराया जा सके,लेकिन वास्तविकता यह है कि अधिकांश तालाब और स्टॉप डैम निर्माण के कुछ ही समय बाद सूख चुके हैं, स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि कई जगहों पर बिना वैज्ञानिक सर्वे और तकनीकी अध्ययन के निर्माण कर दिए गए, जिसके कारण पानी रुक ही नहीं पा रहा है।

प्यासे वन्यजीव बस्तियों की ओर...

जंगलों में जलस्रोत सूखने के कारण वन्यजीवों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है,हिरण,जंगली सूअर और अन्य जानवर पानी की तलाश में अब गांवों और बस्तियों की ओर बढ़ रहे हैं,पिछले कुछ समय में ग्रामीण क्षेत्रों में वन्यजीवों की बढ़ती गतिविधि इसी संकट का संकेत मानी जा रही है।

टाइगर प्रोजेक्ट पर भी उठे सवाल

गुरु घासीदास-तमोर पिंगला क्षेत्र को जल्द टाइगर रिजर्व का दर्जा मिलने की उम्मीद है, लेकिन यदि जलस्रोतों की यही स्थिति रही तो बाघ और अन्य वन्यजीवों के लिए यह क्षेत्र उपयुक्त नहीं रह पाएगा, विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी टाइगर रिजर्व में जलस्रोत सबसे महत्वपूर्ण तत्व होते हैं।

जांच की मांग तेज-

कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े ने इस पूरे मामले पर नाराजगी जाहिर की है, उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है क्योंकि इसमें सरकारी धन की बर्बादी के साथ-साथ वन्यजीवों के जीवन से भी खिलवाड़ किया गया है, उन्होंने बताया कि इस मामले की शिकायत वन मुख्यालय रायपुर, भारत सरकार के वन मंत्रालय और राष्ट्रीय हरित अधिकरण को भेजी जाएगी।

नशे में पूर्व गृहमंत्री के बेटे ने मचाया हंगामा,दुकान में घुसाई कार,पिता का रौब दिखाते थाने से गाड़ी लेकर फरार

-संवाददाता-

कोरबा,11 मार्च 2026 (घटती-घटना)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित इतवारी बाजार में जमकर हंगामा देखने को मिला,जहां नशे में धुत पूर्व गृहमंत्री के बेटे ने अपनी कार एक दुकान में घुसा दी। हादसे के बाद मौके पर गाली-गलौज और मारपीट की भी बात सामने आई है। जानकारी के मुताबिक,आरोपी संदीप कंवर कथित तौर पर उस कार को चला रहा था,जिस पर 'पूर्व विधायक रामपुर' लिखा हुआ था। तेज रफ्तार कार सीधे एक दुकान में जा घुसी,जिससे दुकान को नुकसान पहुंचा। आरोप है कि घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों से संदीप ने गाली-गलौज की और विवाद भी किया।

पुलिसकर्मियों से अभद्र व्यवहार का आरोप

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और संदीप कंवर को कोतवाली थाने ले आई। बताया जा रहा है कि थाने लाने के बाद भी उसने काफी देर तक हंगामा किया और पुलिसकर्मियों से भी अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि संदीप कंवर ने अपने पिता का रौब दिखाते हुए पुलिस से कहा कि 'जो करना है कर लो', इसके बाद वह गाली-गलौज करते हुए थाने से ही अपनी गाड़ी लेकर फरार हो गया।

पुलिस विभाग में पदस्थ है पीड़ित परिवार की बेटी

इस मामले में एक और दिलचस्प पहलू सामने आया है। जिस दुकान को टक्कर मारी गई,उस पीड़ित परिवार की बेटी पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर पदस्थ है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

न्यायालय श्रीमान् प्रथम व्यवहार न्यायाधीश महोदय, कनिष्ठ श्रेणी,अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

व्यवहार वाद क्र0 - 264/2023
पेशी दिनांक 21.04.2026
प्रोसेस नम्बर - 58/26

समंस/नोटिस

प्रभुराम ....वादी/आवेदक
प्रति,
गोपाल वगैरह ..प्रतिवादीगण/अनावेदकगण

बनाम - 1, गोपाल आ0 नारायण आयु लगभग 40 वर्ष,
2.जयपाल आ0 नारायण आयु लगभग 35 वर्ष,
दोनों निवासी ग्राम सोनपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

विदित हो कि वादी के द्वारा स्वत्व घोषणार्थ व स्थायी निषेधाज्ञा हेतु वाद न्यायालय श्रीमान् प्रथम व्यवहार न्यायाधीश महोदय, कनिष्ठ श्रेणी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के व्यवहार बाद क्र0 264/2023 प्रतिवादीगण / अनावेदकगण के विरुद्ध प्रस्तुत किया गया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त व्यवहार वाद में आपका पक्ष प्रस्तुत किया जाना है। अतएव पेशी दिनांक- 21.04.2026 समय 11:00 बजे अनिवार्य रूप से आप स्वतः या अपने अधिवक्ता या ऐसे व्यक्ति के मार्फत उपस्थित होवें जो उक्त प्रकरण में आपका पक्ष प्रस्तुत कर सके। पेशी तिथि में अनुपस्थित होने पर आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए प्रकरण में अग्रीम कार्यवाही की जायेगी। यदि पेशी तिथि को न्यायालय में अवकाश होगा तो अगले कार्य दिवस पर प्रकरण में सुनवाई कर अग्रीम कार्यवाही की जायेगी।

अतः आज दिनांक 06/06 /2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं मुद्रांक द्वारा जारी किया गया।

(सील) न्यायालय श्रीमान् प्रथम व्यवहार न्यायाधीश महोदय, कनिष्ठ श्रेणी,अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0/....../अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अंकित दुबे आ0 अमरेश्वर दुबे, उम्र-40 वर्ष, जाति ब्राम्हण, निवासी मायापुर, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा तदाशय् का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक एवं अनावेदकगण धनंजय दुबे आ0 अमरेश्वर दुबे वगैरह के पिता अमरेश्वर दुबे के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं. 03 मोहल्ला रिंग रोड़ मायापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 1701/3 रकबा 0.10 एकड भूमि है। अमरेश्वर दुबे की मृत्यु दिनांक 25.01.2026 को हो गई है जिस कारण उका गूखण्ड उनका नाम विलोपित करते हुये उक्त भूखण्ड का रिकार्ड दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदक द्वारा आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 18/03/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा /अपरे पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/02/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0/....../अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आशीष भट्टाचार्य आ0 स्व0 शिशुरंजन भट्टाचार्य, निवासी वार्ड क्रमांक 15 देवीगंज वार्ड, मोहल्ला खुटेनपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि मोहल्ला-खुटेनपारा, नगर अम्बिकापुर, शीट नंबर-02 स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 388/2, 389/2 रकबा 0.04, 0.02 एकड़ भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा लीज अवधि बढ़ाये जाने आवेदन पत्र मय मेंटनेश खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 18/03/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 26/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी !

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202603020700001

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्ः-2025-26
बिशुनपुर प.ह.न. 00019 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-रोलफी तिर्की,
अनावेदक पक्षकार -छ0ग0शासन,

ईश्तहार

आवेदिका रोलफी तिर्की आ0 स्व0 राजन तिर्की, आयु 06 वर्ष, नैसर्गिक अभिभावक प्रिंस तिर्की आ स्व0 मनकू तिर्की, निवासी ग्राम बिशुनपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा अपने पिता स्व0 राजन तिर्की जो स्वास्थ्य विभाग में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बरतीकला, तहसील वाड्रफनगर, जिला बलरामपुर-रामनुजगंज छ0ग0 सहायक ग्रेड-03 के पद पर पदस्थ थे, जिसकी मृत्यु सेवाकाल के दौरान दिनांक 24.11.2025 को हो जाने के कारण उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र श्रीमान् अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है जो जॉच हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20.03.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/03/2026 को जारी किया जाता है।

(सील) उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0

ईश्तहार

आगामी तिथि 13/3/2026 इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदकगण रामखेलावन आ0 स्व. सुखदेव उम्र 70 वर्ष व अन्य 36 सभी निवासी साहूगली सूरजपुर, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा नजूल भूमि पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि आवेदकगण के पितामह/परपितामह सुमेषर साहू की स्व अर्जित भूमि नजूल प्लाट नम्बर 2093 क्षेत्रफल 0.24 आरे/961 वर्गमीटर एवं प्लाट नम्बर 2094 रकंबा 0.06 आरे/283 वर्ग मीटर बाजारपारा स्तर क्रमांक 06 में स्थित है। आवेदकगण एक ही कुटुम्ब के सदस्य हैं, जिनका वषवृक्ष उल्लेख करते हुए आवेदकगण का नाम नजूल अभिलेख में नामांतरित करने का अनुरोध किया गया है । जो इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा / आपत्ति दिनांक 13/3/2026 को न्यायलयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के ज्बाद प्राप्त दावा / आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 24/2/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

एमसीबी का रुसनी
विकास के दावों के बीच अंधेरे में जीता एक गाँव

सड़क नहीं, बिजली नहीं, पानी नहीं-बीमारों को खाट पर ढोते ग्रामीण; फाइलों में चमकता विकास, जमीनी हकीकत बदहाल

-संवाददाता-
एमसीबी,11 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के वनांचल में बसा छोटा सा गाँव रुसनी आज भी उस भारत की कहानी कहता है जो सरकारी दावों और योजनाओं के चमकते नारों से बहुत दूर है, जहाँ एक ओर देश डिजिटल युग और 5जी नेटवर्क की बात कर रहा है,वहीं रुसनी के लोग आज भी ढिबरी और लालटेन की रोशनी में रात गुजारने को मजबूर हैं।

यह गाँव उस विडंबना का प्रतीक बन गया है जहाँ सरकारी योजनाएँ कागजों में पूरी दिखाई देती हैं,लेकिन जमीनी हकीकत में विकास का कोई निशान नजर नहीं आता, बिजली,सड़क,पानी और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से जूझते ग्रामीण आज भी उसी उम्मीद में जी रहे हैं कि शायद कभी प्रशासन की नजर उनके गाँव तक भी पहुँचेगी, ग्रामीणों का कहना है कि रुसनी विकास की मुख्यधारा से इतना दूर है कि यहाँ 21वीं सदी की आहट तक नहीं पहुँची।

रुसनी पहुँचने के तीन रास्ते,तीनों बदहाल

रुसनी गाँव को बाहरी दुनिया से जोड़ने के लिए तीन मुख्य मार्ग बताए जाते हैं,लेकिन हकीकत में ये मार्ग किसी भी वाहन के लिए लगभग अनुपयोगी हैं।

कोटाडोल-रुसनी मार्ग

यह रास्ता पूरी तरह कच्चा है और जगह-जगह गहरे गड्ढों से भरा हुआ है,बरसात के समय यह दलदल में बदल जाता है, ऐसे में यहाँ से गुजरना वाहन चालकों के लिए किसी जोखिम से कम नहीं।

जनौरा-बड़गांवकला-रुसनी मार्ग

इस मार्ग पर पत्थर और कंक्रीट का इतना जमाव है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है, यहाँ दुपहिया वाहन चलाना भी चुनौती भरा काम है।

ढाब-बड़गांवकला रुसनी मार्ग

यह रास्ता कीचड़ और नुकीले पत्थरों से भरा हुआ है,बरसात के मौसम में यह पूरी तरह अगम्य हो जाता है, इन तीनों मार्गों की हालत देखकर यह सवाल उठता है कि क्या प्रशासन को इस गाँव तक जाने की जरूरत कभी महसूस ही नहीं हुई?

सड़क नहीं,पगडंडियों के सहारे चलती जिंदगी

रुसनी गाँव की सबसे बड़ी समस्या सड़क है,यहाँ तक पहुँचने के लिए कोई पक्की सड़क नहीं है,गाँव तक जाने वाले रास्ते आज भी कच्ची पगडंडियों के भरोसे हैं,जो बरसात के मौसम में दलदल बन जाती हैं, गाँव के बुजुर्ग बताते हैं कि जब कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाता है तो उसे अस्पताल तक पहुँचाना किसी युद्ध से कम नहीं होता,एक ग्रामीण की आँखों में दर्द झलकता है,वे कहते हैं-साहब, हमारे यहाँ अगर कोई गंभीर रूप से बीमार हो जाए तो एंबुलेंस बुलाना भी बेकार है, यहाँ तक आने के लिए सड़क ही नहीं है,ऐसे में मरीज को चारपाई पर लिटाकर चार लोग कंधे पर उठाकर कई किलोमीटर पैदल चलते हैं,गर्भवती महिलाओं के लिए स्थिति और भी भयावह हो जाती है,कई बार प्रसव पीड़ा में तड़पती महिलाओं को पथरीले रास्तों से खाट पर ढोते हुए अस्पताल ले जाना पड़ता है,बरसात के दिनों में यह रास्ता इतना खतरनाक हो जाता है कि हर कदम पर दुर्घटना का खतरा बना रहता है, ग्रामीण सवाल उठाते हैं कि क्या लोकतंत्र में वोट देने वाले नागरिकों को इतनी भी सुविधा नहीं मिल सकती कि उनके गाँव तक एक पक्की सड़क बन सके?

बिजली के नाम पर सोलर सिस्टम, जो अब कबाड़ बन चुके

बिजली के मामले में भी रुसनी की कहानी कम दर्दनाक नहीं है,सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार गाँव में सौर ऊर्जा के कई उपकरण लगाए गए हैं, कहीं सोलर स्ट्रीट लाइट लगाई गई,तो कहीं घरों में सौर ऊर्जा कनेक्शन दिए गए, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इन उपकरणों का अधिकांश हिस्सा अब कबाड़ बन चुका है,घटिया गुणवत्ता और रखरखाव के अभाव के कारण ये सोलर सिस्टम कुछ ही वर्षों में खराब हो गए, अब स्थिति यह है कि रात होते ही गाँव फिर उसी पुराने अंधेरे में डूब जाता है, ग्रामीणों का कहना है कि यदि इन उपकरणों की नियमित देखरेख होती तो आज गाँव की तस्वीर अलग होती, लेकिन बिना रखरखाव के लगाए गए उपकरण अब केवल सरकारी योजनाओं के प्रतीक बनकर रह गए हैं।

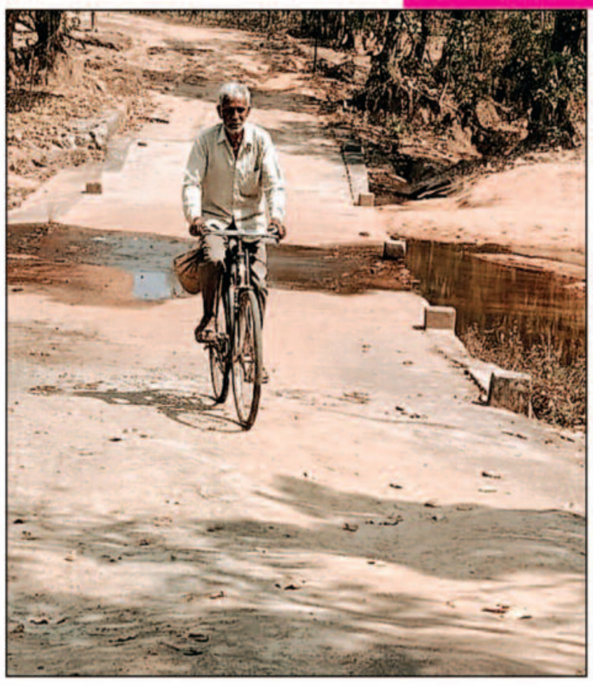

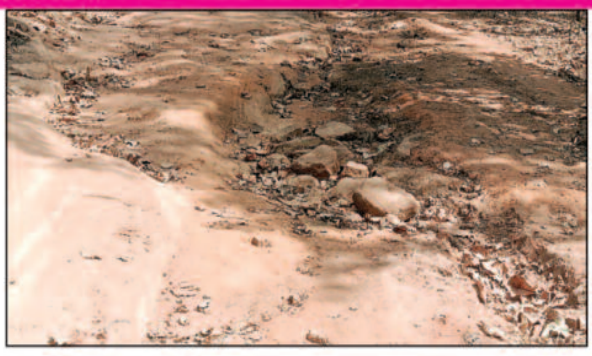

अधिकारियों की फाइलों में विकास,जमीन पर सन्नाटा

ग्रामीणों का कहना है कि उनकी सबसे बड़ी पीड़ा यह है कि उन्हें सुनने वाला कोई नहीं है, बीते कई वर्षों में जिले के किसी बड़े अधिकारी ने गाँव का दौरा नहीं किया,जिला मुख्यालय में बैठकर योजनाओं की समीक्षा जरूर होती है,लेकिन रुसनी की पगडंडियों तक वह समीक्षा कभी नहीं पहुँचती,ग्रामीणों का आरोप है कि अफसरों की वातानुकूलित दफ्तरों में बैठकर बनाई गई योजनाएँ जमीन पर दम तोड़ देती हैं।

प्रशासन से उम्मीद

रुसनी गाँव की कहानी केवल एक गाँव की समस्या नहीं है,यह उस सच्चाई का आईना है जहाँ विकास के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं,लेकिन कई वनांचल आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं, ग्रामीणों की मांग है कि गाँव तक पक्की सड़क बनाई जाए,बिजली की स्थायी व्यवस्था की जाए, जल जीवन मिशन को सही तरीके से लागू किया जाए,शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत किया जाए।

जल जीवन मिशनः नल लगे,पानी नहीं आया

केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन का उद्देश्य था हर घर नल,हर घर जल, रुसनी में भी इस योजना के तहत नल तो लगाए गए हैं,लेकिन उनमें पानी कभी नहीं आया,गाँव में जगह-जगह खड़े नल इस बात की गवाही देते हैं कि योजना का ढांचा तो तैयार हुआ,लेकिन उसका संचालन कभी शुरू ही नहीं हुआ,पेयजल की समस्या के कारण ग्रामीण आज भी झरिया,ढोढ़ी और अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों पर निर्भर हैं। बरसात के मौसम में यही पानी दूषित हो जाता है, जिससे ग्रामीणों को जलजनित बीमारियों का खतरा बना रहता है।

शिक्षा व्यवस्था भी बदहाल

रुसनी में शिक्षा की स्थिति भी चिंताजनक है,गाँव के बच्चों के लिए बेहतर स्कूल और शिक्षकों की उपलब्धता नहीं है, ग्रामीण बताते हैं कि स्कूल में शिक्षकों की नियुक्ति तो है, लेकिन उनकी उपस्थिति अनियमित रहती है,डिजिटल शिक्षा की बात तो दूर,यहाँ कई बच्चों के पास बुनियादी शैक्षणिक संसाधन भी नहीं हैं,संसाधनों की कमी के कारण कई बच्चे बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं,युवाओं का कहना है कि गाँव की बदहाल स्थिति के कारण यहाँ शादी के रिश्ते भी आने से कतराते हैं।

कब बदलेगी रुसनी की तस्वीर ?

रुसनी की बदहाल स्थिति प्रशासन और शासन के उन दावों पर सवाल खड़े करती है,जिनमें अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने की बात कही जाती है,यदि समय रहते इस गाँव की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया तो विकास के दावे केवल कागजों तक ही सीमित रह जाएंगे,आज रुसनी के लोग बस यही उम्मीद कर रहे हैं कि कभी न कभी प्रशासन की नजर उनके गाँव तक भी पहुँचेगी और विकास का उजाला उस अंधेरे को दूर करेगा,जिसमें वे वर्षों से जी रहे हैं।

---

24 मई की दिल्ली महागर्जना रैली में शामिल होने का आह्वान

डीलिस्टिंग की मांग को लेकर रामानुजनगर में जनजातीय सुरक्षा मंच की कार्यशाला

-संवाददाता-
सूरजपुर,11 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

जिले के रामानुजनगर स्थित सामुदायिक भवन में जनजातीय सुरक्षा मंच के बैनर तले डीलिस्टिंग की मांग को लेकर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला आयोजित की गई,कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोग, मंच के पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए, कार्यशाला का उद्देश्य आगामी 24 मई को दिल्ली में प्रस्तावित महागर्जना रैली के लिए लोगों को जागरूक करना और अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि डीलिस्टिंग के मुद्दे को लेकर देशभर में जनजातीय समाज एकजुट होकर आंदोलन की तैयारी कर रहा है। दिल्ली में आयोजित होने वाली महागर्जना रैली में लगभग 10 लाख लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है। इसी उद्देश्य से रामानुजनगर विकासखंड के सभी गांवों में ग्राम समितियां गठित करने और लोगों से जनसंपर्क कर दिल्ली जाने के लिए पंजीयन कराने का निर्णय लिया गया,कार्यशाला में वक्ताओं ने कहा कि आदिवासियों को मिलने वाले आरक्षण का लाभ ऐसे लोग भी ले रहे हैं जिन्होंने अपनी पारंपरिक आदिवासी संस्कृति और मान्यताओं को छोड़कर दूसरे धर्मों को अपना लिया है। समाज के लोगों की मांग है कि ऐसे व्यक्तियों को सूचीबद्ध कर आरक्षण की सूची से बाहर किया जाए। इसी प्रक्रिया को डीलिस्टिंग कहा जाता है, इस संबंध में जनजातीय सुरक्षा मंच के जिला संयोजक संत सिंह और जिला संगठन मंत्री गोपाल जी ने बताया कि इस मांग को लेकर लगातार जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है, उन्होंने कहा कि जो नहीं भोलेनाथ का,वो नहीं हमारी जात का जैसे नारों के माध्यम से समाज को जागरूक किया जा रहा है, गांव-गांव में ग्राम सभाओं के माध्यम से प्रस्ताव पारित कराने की भी तैयारी की जा रही है, उन्होंने यह भी बताया कि इस मांग को लेकर प्रधानमंत्री के नाम पोस्टकार्ड अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत देशभर से 1 करोड़ पोस्टकार्ड भेजने का लक्ष्य रखा गया है,अब तक लगभग 5 लाख पोस्टकार्ड भेजे जा चुके हैं, साथ ही संविधान के अनुच्छेद 342 में संशोधन कर धर्मांतरण कर चुके आदिवासियों को आरक्षण की सूची से बाहर करने की मांग भी उठाई जा रही है, कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष सूरजपुर स्वाति सिंह, जनपद अध्यक्ष रामानुजनगर गुलाब सिंह, विकासखंड संयोजक सुंदर सिंह, किरण खेस, आमवती नेताम, जयंती भगत, विमला भगत, सुरेश मरकाम, अदल सिंह, अनीता सिंह, महेंद्र सिंह, अमर सिंह (जिला अध्यक्ष सरपंच संघ), पवन सिंह (मंडल अध्यक्ष), महेन्द्र कुमार सिंह (अ.ज.जा. मंडल अध्यक्ष), राम सिंह, रामानंद सिंह, आनंद कुंवर सिंह, लखन सिंह, हिरा सिंह सहित जनजातीय सुरक्षा मंच के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, कार्यशाला के अंत में सभी ने 24 मई को दिल्ली में होने वाली महागर्जना रैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का संकल्प लिया और गांव-गांव तक जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया।

संगठनात्मक विस्तारः सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग का सूरजपुर विकासखंड गठन सम्पन्न

-संवाददाता-
सूरजपुर,11 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग के प्रदेश स्तरीय निर्देशानुसार सूरजपुर विकासखंड की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया,यह कार्यक्रम सूरजपुर स्थित गोंडवाना भवन में आयोजित हुआ,जिसकी शुरुआत आदिवासी महापुरुषों के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से शिव प्रताप सिंह आयाम को सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग सूरजपुर विकासखंड का ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया,वहीं मनोज सिंह पोया को संगठन का ब्लॉक मीडिया प्रभारी बनाया गया, कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित देवसाय सिंह बैगा ने आदिवासी महापुरुषों के संघर्ष और उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को आधुनिक तकनीक के उपयोग की दिशा में प्रेरित किया,उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं को मोबाइल,डिजिटल और कंप्यूटर तकनीक के माध्यम से खुद को आत्मनिर्भर बनाना चाहिए, इस अवसर पर जिला महासचिव मंत्री लाल बियार ने कहा कि यदि हम आदिवासी समाज में जन्मे हैं तो समाज के लिए कार्य करना हमारा दायित्व है, उन्होंने युवाओं से समाज के विकास और एकजुटता के लिए आगे आने का आह्वान किया,कार्यक्रम में त्रिभुवन सिंह टेकाम ने संविधान में अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति समुदाय को मिले अधिकारों पर गंभीरता से चिंतन करने की आवश्यकता बताई। वहीं सोशल एक्टिविस्ट एवं सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग जिला अध्यक्ष बीपीएस पोया ने युवाओं को अपनी आवाज स्वयं बनने और पुस्तकें पढ़ने की प्रेरणा दी,बीपीएस पोया ने कहा कि समाज में नशामुक्ति अभियान को ग्राम स्तर पर चलाया जाएगा। इसके साथ ही युवाओं को उनकी रुचि के अनुसार मास्टर ट्रेनरों के माध्यम से प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने की योजना पर भी काम किया जाएगा,उन्होंने कहा कि आदिवासी महापुरुषों के इतिहास और उनके विचारों को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा,उन्होंने यह भी बताया कि सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग के नेतृत्व में स्थानीय आरक्षण,पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन और ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार पहल की जाएगी। नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि एक तीर, एक कमान-सर्व आदिवासी एक समान केवल नारा नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने का मूल मंत्र है, कार्यक्रम में जसवंत सिंह, गौरीशंकर नेताम, अंजली सिंह उईके, सूरतिया उईके, विपेन्द्र प्रताप कोर्राम, कमलेश्वरी उईके, गुरुदयाल सिंह, लक्ष्मण सिंह आर्मो, जय सिंह, शामपति सिंह, चंद्रशेखर सिंह, हीरमेन सिंह सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और समाज प्रमुख उपस्थित रहे।

बेटी थिएटर से एक्टिंग ही नहीं सीखेगी, एक अच्छी इंसान भी बन जाएगी : मृदुला त्रिपाठी

रंगमंच की दुनिया से निकलकर रुपहले पर्दे पर अपनी पहचान बनाने वाले पंकज त्रिपाठी और उनकी पत्नी मृदुला ने 'रूपकथा' रंगमंच की शुरुआत की है। थियेटर को सब कुछ मानने वाली मृदुला त्रिपाठी का कहना है कि जब यहीं से सब कुछ मिला है, तो यह हमारी तरफ से रिटर्न गिफ्ट जैसा है। कभी स्कूल में बच्चों को पढ़ाने वाली शिक्षिका की भूमिका थोड़ी बदल गई है और अब कलाकारों का व्यक्तित्व निखार रही हैं।

रूपकथा रंगमंच का विचार किसका था और इसकी उपयोगिता क्या है?

यह हम दोनों का विचार था। हमारी जिंदगी भी थियेटर से ही शुरू हुई थी। हमारे प्रेम का आधार भी थियेटर ही रहा। हां,कहीं न कहीं इसमें साहित्य यानी रेणु जी की कहानियां और राग दरबारी जैसे उपन्यास भी हैं। मुंबई से पहले दिल्ली और उससे पहले पटना और कलकत्ता में हम रहते थे। इन महानगरों में हमारे पास सिर्फ रंगमंच ही था। आज उसी की देन है कि बड़े पर्दे पर नाम है। पंकज के अभिनय से लोग खुश हैं और उनके अभिनय में आज भी थियेटर की खुशबू है। जब रंगमंच से हमें इतना मिला है, तो हमारा दायित्व है कि हम भी कुछ करें। यह थियेटर को हमारी तरफ से रिटर्न गिफ्ट है। जहां तक मुंबई की बात है, तो इस शहर का अपना रंग है। उसमें हमारी कोशिश है कि लोग मोबाइल और सोशल मीडिया के जमाने में भी जीवंत कला को देखें। हिंदी के दर्शकों का नया वर्ग तैयार करना उद्देश्य है।

आप शिक्षक रह चुकी हैं। आपके हिसाब से एक शिक्षक और फिल्म निर्माता की भूमिका में क्या अंतर है?

कोई अंतर नहीं है। जब मैं शिक्षक थी तो विद्यार्थियों को संस्कार सिखाती थी। अब भी वही काम कर रही हूं,लेकिन अब मेरे साथ कलाकार हैं। स्कूल में भी जोर व्यक्तित्व निर्माण पर था और आज भी यही है। अब मेरा

मकसद रंगमंच को दोनों पक्षों के लिए उपयोगी साबित करना है। पहला, जो रंगमंच से जुड़े कलाकार हैं,वे सशक्त बनें। उन्हें रोजगार मिले और अपने सपनों को पंख दे सकें। दूसरा, जो लोग रंगमंच देखने आएं, वे कुछ न कुछ सीख कर जाएं।

आपकी पहली प्रस्तुति 'लाइलाज' है। इसमें क्या है?

यह काफी मनोरंजक और शिक्षाप्रद है। इसमें म्यूजिक है, कॉमिडी है और कुछ ऐसे सवाल भी हैं, जो समाज के लिए जरूरी हैं। यह देखने के बाद आपको कवि आलोक धन्वा की 'भागी हुई लड़कियां' कविता याद आएगी। आपको लगेगा कि जब कोई लड़की घर से भागती है, तो जरूरी नहीं कि वह किसी लड़के के साथ भागी हो। हो सकता है कि वह अपने सपनों के साथ भागी हो। वह खुद के साथ भी भाग सकती है। फैज मोहम्मद ने इस नाटक को लिखा है और उन्होंने ही इसका निर्देशन भी किया है। इसकी प्रस्तुति देखकर पंकज इतने प्रेरित हुए कि अब वह भी इसमें एक किरदार निभाने जा रहे हैं। हमें भी खुशी है कि वह इतना व्यस्त होने के बाद भी समय निकाल रहे हैं।

आगे क्या योजनाएं हैं?

फिलहाल मुंबई में इसके शो हो रहे हैं। इसके बाद हम इस साल भारत रंग महोत्सव में भी इसका मंचन करेंगे। अच्छी बात है कि उसी महोत्सव में मेरी बेटी आशी का एक और नाटक होने वाला है। इससे वह काफी खुश है। इसके बाद हम कोलकाता, पुणे, अहमदाबाद, भोपाल में भी शो करने वाले हैं। हमारा यह प्लेटफॉर्म महज मुंबई तक सीमित नहीं होने वाला। हम इसे पूरे देश में ले जाने वाले हैं। इसलिए सभी को जोड़ने के लिए देश के अधिकतर शहरों में प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा, हम एक और योजना पर काम कर रहे हैं। रूपकथा रंगमंच का अपना स्थान होने वाला है, जहां कलाकार खुद से अपनी कला को और निखार सकेंगे।

आपकी बेटी आशी भी इसमें अभिनय कर रही है। आजकल अभिनय सिखाने के लिए तो कई बड़े संस्थान है,मगर आप लोगों ने थियेटर ही क्यों चुना?

अभिनय उसकी अपनी पसंद है। हमें जब पता चला तो हमने बस अच्छे रंग संस्कार भरने की कोशिश की। हम तो बस उसे रास्ता दिखा रहे हैं और थियेटर तो अपने आप में एक दर्शन है। जो यहां रच बस जाएगा, वह सब कुछ सीख जाएगा। थियेटर में वह न सिर्फ अभिनय सीखेगी बल्कि एक अच्छी इंसान भी बन जाएगी। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण मेरे पास है। महंगे संसाधन जैसा कुछ नहीं है। अभिनय का संसाधन सिर्फ एक है और वह अभिनेता या अभिनेत्री का व्यक्तित्व होता है। हम दोनों की आशा है कि आशी अपने सपनों के साथ खुलकर जिए।

टी-सीरीज मामला : रिलायंस एंटरटेनमेंट को दिल्ली हाई कोर्ट की अंतिम चेतावनी
बकाया चुकाओ या जेल जाओ

दिल्ली हाई कोर्ट ने टी-सीरीज संग चल रहे एक कानूनी विवाद में सख्त रुख अपनाते हुए रिलायंस एंटरटेनमेंट के अधिकारियों को बड़ी सजा सुनाई है। अदालत के आदेशों की अनदेखी करने पर कोर्ट ने इसे 'अदालत की अवमानना' माना और अधिकारियों को 4 हफ्ते (1 महीने) की जेल की सजा का फरमान जारी किया है। कॉपीराइट और कानूनी अनुपालन के मामले में कोर्ट का ये फैसला कॉर्पोरेट जगत के लिए एक कड़ी चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

टी-सीरीज केस में रिलायंस एंटरटेनमेंट दोषी

कोर्ट ने टी-सीरीज संग चल रहे एक वित्तीय विवाद में अदालत के आदेशों का पालन न करने पर रिलायंस एंटरटेनमेंट और उसके अधिकारियों को अवमानना का दोषी करार दिया है। इस कड़े फैसले में कोर्ट ने साफ किया कि न्यायिक आदेशों की अनदेखी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ये पूरा मामला टी-सीरीज और रिलायंस एंटरटेनमेंट के बीच के एक पुराने वित्तीय लेन-देन और समझौते से जुड़ा है,जिसमें रिलायंस को भुगतान करने के निर्देश दिए गए थे।

रिलायंस अधिकारियों को कोर्ट की मोहलत,2 हफ्ते में चुकाएं बकाया

अदालत ने रिलायंस के अधिकारियों को भुगतान का अवसर देने के लिए जेल की सजा फिलहाल 2 सप्ताह के लिए स्थगित कर दी है। उत्तरदाता 1 से 3 को 16 मार्च 2026 को ज्वाइंट रजिस्ट्रार के समक्ष पेश होना होगा। उन्हें 1 लाख रुपये का बेल बांड और इतनी ही जमानत देनी होगी। अगर 2 सप्ताह के भीतर बकाया राशि जमा हो जाती है तो जेल की

सजा माफ कर दी जाएगी और जमानत बांड भी डिस्चार्ज कर दिए जाएंगे।

168 करोड़ के कर्ज से शुरू हुआ टी-सीरीज बनाम रिलायंस केस

विवाद की जड़ 2021 के एक ऋण समझौते में है। कानूनी लड़ाई तब शुरू हुई जब टी-सीरीज ने रिलायंस एंटरटेनमेंट को 6 फिल्मों की आंशिक फंडिंग के लिए 168 करोड़ रुपये का कर्ज दिया था। इस राशि पर 12.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज तय था और प्रोजेक्ट्स की कमाई में टी-सीरीज की हिस्सेदारी भी तय हुई थी। बाद में टी-सीरीज ने आरोप लगाया कि रिलायंस पुनर्भुगतान में विफल रहा, जिसके बाद 60 करोड़ की वसूली के लिए मुकदमा दायर किया गया।

रिलायंस को कोर्ट का आदेश

रिलायंस को 'जी एंटरटेनमेंट' से 7.42 करोड़ मिलने थे, जिो कोर्ट ने टी-सीरीज का कर्ज चुकाने के लिए जमा करने का आदेश दिया। रिलायंस की 2 फिल्में विद्युत जामवाल अभिनीत 'आईबी-71' और अजय देवगन अभिनीत 'भोला' से मिलने वाले 2.32 करोड़ भी कोर्ट ने टी-सीरीज को देने को कहा।

सन्नाटे में अलग तरह की सुंदरता और आश्चर्य छिपा हुआ है : अमिताभ बच्चन

हाल ही में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में मुंबई की रातों की अनोखी शांति और उसके भावनात्मक अनुभव को शब्दों में व्यक्त किया है। बिग बी यूं तो अक्सर अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की कविताओं से प्रेरित होकर लिखते रहे हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपने मन की अनुभूतियों को सीधे तौर पर साझा किया। अमिताभ बच्चन ने बताया कि दिनभर की भागदौड़ और भीड़भाड़ के बाद रात के समय मुंबई जैसे व्यस्त शहर में भी एक अजीब-सी शांति फैल जाती है। सड़कें लगभग खाली हो जाती हैं और चारों ओर गहरा सन्नाटा छा जाता है। उनके अनुसार यह सन्नाटा कई लोगों को डरावना लग सकता है,लेकिन उनके लिए इसमें एक अलग तरह की सुंदरता और आश्चर्य छिपा हुआ है। उन्होंने लिखा कि रात की खामोशी शहर के एक बिल्कुल अलग रूप से परिचित कराती है। अपने ब्लॉग में उन्होंने देर रात का एक छोटा-सा अनुभव भी साझा किया। उन्होंने बताया कि जब वह यह सब लिख रहे थे, तभी अचानक एक कार सड़क के गड्ढे से टकराई और कुछ पल के लिए सन्नाटा टूट गया। रात करीब एक बजे कभी-कभी किसी तेज रफ्तार बाइक के एग्जॉस्ट की आवाज भी सुनाई दे जाती है। उनके अनुसार शायद कोई व्यक्ति देर रात काम से लौट रहा होता है या फिर नई शिफ्ट के लिए निकल रहा होता है। ऐसी छोटी-छोटी आवाजें रात की खामोशी को और गहरा बना देती हैं। अपने विचारों को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने प्रकृति को सबसे बड़ी औषधि बताया। उनके अनुसार जीवन में शोर और सन्नाटा, व्यवस्था और अव्यवस्था, सब साथ-साथ चलते रहते हैं। अमिताभ ने मुंबई के आसमान की बदलती खूबसूरती का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि इन दिनों शहर का आसमान पहले से ज्यादा साफ और नीला दिखाई दे रहा है। निर्माण कार्यों के दौरान पानी के छिड़काव से धूल नीचे बैठ जाती है, जिससे हवा अपेक्षाकृत स्वच्छ हो जाती है। इसके अलावा बारिश के दिनों में भी प्रदूषण कम हो जाता है, क्योंकि बारिश धूल और मिट्टी को धोकर साफ कर देती है। समुद्र किनारे बसे होने के कारण समुद्री हवाएं भी वातावरण को ताजा बनाए रखने में मदद करती हैं।

अच्छा इंसान मिल जाए तो झटपट शादी कर लूं बचपन से ही ख्वाब देख रही : मृणाल ठाकुर

छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मृणाल ठाकुर ने अपने छोटे से करियर में लंबा सफर तय किया है। मराठी फिल्म में काम कर चुकी मृणाल हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के अलावा तेलुगू इंडस्ट्री में भी काफी एक्टिव हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'दो दीवाने शहर में' को लेकर। इस खास मुलाकात में मृणाल प्यार-मोहब्बत,शादी और जीवनसाथी पर खुल कर बात करती हैं। पहली बार स्कूल में अपने क्लासमेट के प्रति आकर्षित हुई मृणाल अपने स्कूली आकर्षण के बारे में कहती हैं, 'दूसरी कक्षा से लेकर सातवीं कक्षा तक एक लड़का मुझे बहुत पसंद था, मगर मैं इतनी शर्मीली थी कि कभी कुछ कह ही न नहीं पाई। मेरी हिम्मत ही नहीं हुई कि मैं मैं अपनी भावनाओं का इजहार कर पाती और उसके बाद मेरे पापा का ट्रांसफर हो गया और मैं दूसरे शहर चली गई,तो वो किस्सा एक कसक बन कर रहा गया। उसके बाद तो हमारे लिए हमारे आकर्षण फिल्मी हीरो ही रहे।'

ऋतिक,शाहिद और जॉन को लेकर थी पागल

अपने बचपन और ग्रोइंग इयर्स के अट्रैक्शन के बारे में वे हंसते हुए वे कहती हैं, 'वो इनफैचुएशन नहीं बल्कि ऑब्सेशन था और वो था तीन हीरोज के प्रति। मेरी किताबों में इन हीरोज के कटआउट्स हुआ करते थे। उन फोटो के कटआउट्स को मैं छिपा-छिपा कर रखती थी और वो हीरो थे, ऋतिक रोशन, शाहिद कपूर और जॉन अब्राहम। आपको हंसी आएगी सुनकर, मगर जो साड़ी के बॉक्स आते थे, उस पर मैं और मेरी बहन इन हीरोज के फोटो काट कर चिपका देते और उन्हें बुकमार्क के रूप में संजो कर रखते थे। पापा को पता चलता कि हम लोग हीरोज के पिक्स काट-काट कर लगाते हैं, तो बहुत डांट पड़ती थी कि हम पढ़ाई के बजाय ये क्या कर रहे हैं? तकदीर देखिए, इन तीनों हीरोज के साथ मुझे काम करने का मौका मिला। रितिक के साथ मैंने सुपर 30 की, शाहिद कपूर के साथ जर्सी तो जॉन अब्राहम संग बाटला हाउस। मैं और मेरी बहन कई बार एक-दूसरे को देख कर बातें करते, हम लोग कहां से आए और आज कहां पहुंच गए। वाकई कई बार चूंटी काटने को दिल करता कि क्या ये सच है। सच में रितिक,जॉन और शाहिद के साथ काम करते हुए कई बार मंत्रमुग्ध भी हुई हूं। जॉन को हम जोनेमन बुलाते हैं। वो अक्सर मेरी बहन का हाल-चाल पूछने के लिए मुझे कॉल करते हैं। शाहिद को मैं एक एक्टर के रूप में बहुत पसंद करती हूं,तो कई बार मैं इतनी खो जाती कि अपने डायलॉग्स भूल जाया करती थी। शाहिद के साथ शूटिंग के पहले ही दिन मुझे थप्पड़ मारना था,मेरा तो कल्याण ही हो गया था। मैं बहुत नर्वस थी। वाकई बहुत ही अविश्वसनीय है ये जर्नी। मेरी बहन मेरा मेकअप भी करती है, तो आज ही सुबह वो रो पड़ी थी, ये सोचा कर कि हम जिस इंडस्ट्री में यहीं, हमने उसके बारे में सोचा ही नहीं था।'

भयंकर झगड़े के बाद भी वो मुझे गले लगाए...

अपने भावी साथी को लेकर भी मृणाल ने हमसे बात की। उन्होंने कहा,'मुझे एक अच्छा इंसान मिल जाए, जिससे मेरा दिल भी मिले,हमारे बीच कंपैटिबलिटी हो और मुझे सारी चीजें आसान लगे,तो मैं बेशक झटपट कर लूंगी शादी। आज कल डिवोर्स रेट बढ़ गए हैं और शादियां करने से लोग कतराने लगे हैं। तो मुझे बेमेल शादी करके वो गलती नहीं करनी। मेरा तो बचपन से ख्वाब रहा है शादी करने का। मुझे लाल जोड़ा और लाल चूड़ियां पहनकर दुल्हन बनना है। मैं सिंदूर से अपनी मांग भरूं और मंगलसूत्र पहनूं। मुझे लगता है शादी हर लड़की का ख्वाब होता है, मगर बस जरूरत होती है एक ऐसे इंसान की, जिसे देखकर लगे हां, यही है वो मैं जीवनसाथी के रूप में एक ऐसा लड़का चाहती हूं,जो मेरे मामले में हार न माने। मैं जानती हूं कि कई बार मैं जरूरत से

ज्यादा इमोशनल हो जाती हूं। हर किसी में नेगेटिव ट्रेट्स होते हैं, मगर मुझे लगता है कि एक ऐसा इंसान हो जो भयंकर झगड़े के बावजूद मुझे गले लगाए। मृणाल रिलेशनशिप की अहमियत को समझाते हुए कहती हैं, 'मेरे लिए तो रिलेशनशिप में सबसे अच्छी बड़ी बात ये है कि मैं जैसी हूं, मुझे उसी रूप में स्वीकार करें और तुम जैसे हो, मेरे लिए काफी हो। तुम्हारी खामियां मेरे लिए मायने नहीं रखती। मेरे लिए अहम है कि मैं तुम्हारे साथ खुश रहूंगी। रिलेशनशिप में एक-दूसरे का उत्थान करके अगर हम बेहतर इंसान बन पाएं, प्रोग्रेस और ग्रो करें।'

सही समय पर शादी होना जरूरी है

मृणाल ठाकुर ने शादी के बारे में अपने विचार शेयर करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है, चाहे वे मेरे पैरंट्स हों या किसी और के शादी के बारे में जो कहते हैं, गलत नहीं कहते। शादी समय पर होना जरूरी है। मैं पहले इस बात को नहीं समझती थी, मगर अब समझती हूं। जैसे हमारी हथेली की पांचों उंगलियां एक जैसी नहीं हो सकती, वैसे ही जिंदगी में सब कुछ एक समान नहीं हो सकता। पहले मैं सोचती थी कि करियर सेटल कर लूं तब शादी करूं, मगर अब ऐसा नहीं सोचती। हमारी इंडस्ट्री में कई हीरोइन ऐसी हैं, जिनकी शादी भी हो गई, करियर भी अच्छा चल रहा है और बच्चे भी हो गए हैं, क्योंकि आप अभी नहीं करेंगे, तो कब शादी करेंगे? साफ बात है कि शादी का प्रेशर मुझ पर था। मगर मैंने अपने माता-पिता को एक बात समझाई कि मुझे करने के लिए नहीं करनी शादी।'

खेल समाचार

भारतीय टीम जून से फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में होगी व्यस्त

नई दिल्ली, 11 मार्च 2026। टी20 विश्वकप की जीत का जश्न मना रही भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी अब कुछ दिनों के ब्रेक के बाद इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल में खेलेंगे। विश्वकप जीतने के बाद से ही खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में 28 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल में भी इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन शीर्ष स्तर का रहने की संभावना है। 31 मई को होने वाले आईपीएल फाइनल के बाद टीम एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में व्यस्त हो जाएगी। भारतीय टीम 2027 एकदिवसीय विश्वकप को ध्यान में रखते हुए तैयारी करेगी। इस दौरान कोचिंग स्टाफ और चयनकर्ता विश्वकप के लिए टीम संयोजन बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे। सीमित ओवरों के क्रिकेट के साथ-साथ टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। भारत का लक्ष्य एक बार फिर विश्व टेस्ट चैम्पियनशपिपन फाइनल में जगह बनाना होगा, जिससे टेस्ट क्रिकेट में भी आईसीसी ट्रॉफी जीत सके।

वेस्टइंडीज दौरे में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी करेंगी मोलिन्यू

नई दिल्ली, 11 मार्च 2026। सोफी मोलिन्यू की कप्तानी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम 19 मार्च से 2 अप्रैल तक होने वाले वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों की इस सीरीज के लिए सोफी को एलीसा हीली के संन्यास लेने के कारण कप्तान बनाया है। सोफी भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान लगी पीठ की चोट के कारण टीम से बाहर हो गयीं थीं। वहीं ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को इस सीरीज में आराम दिया गया है। उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज में अच्छे शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला था। सदरलैंड ने भारत के खिलाफ दिन-रात के मैच में शतक लगाया था और छह विकेट भी लिए थे। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने पिछले एक साल से लगातार क्रिकेट खेलने के कारण उन्हें आराम दिया गया है जिससे वह विश्वकप से पहले पूरी तरह फिट रह सकें। उन्होंने कहा, एनाबेल पिछले एक साल से लगातार खेल रही हैं। उनके ऊपर बोझ को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम दिया गया है, जिससे वह विश्वकप से पहले पूरी तरह तैयार रहें। चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा कि मोलिन्यू आगामी महिला टी20 विश्व कप 2026 को देखते हुए सभी मैच खेलने का प्रयास करेंगी। वह हालांकि

एकदिवसीय सीरीज के कुछ मुकाबले नहीं खेलहैं, क्योंकि फिलहाल टीम का पूरा ध्यान टी20 मुकाबलों पर है। अगर सोफी कुछ मैच नहीं खेल पाती हैं तो एश्ले गार्डनर और टालिया मैक्ग्रा को संयुक्त उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम से सिर्फ एक खिलाड़ी को बाहर किया गया है और वह हैं ग्रेस हैरिस। चयनकर्ताओं ने हालांकि कहा कि उनके लिए टीम के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं और वह टी20 विश्व कप की दौड़ में अभी भी शामिल हैं। चयनकर्ताओं ने विकेटकीपर बल्लेबाज टालिया विल्सन को भी बेथ मूनी की जगह पर के रूप में टीम में शामिली कियाया है। बेथ मूनी 21 मार्च को डब्ल्यूसीएनएल फाइनल खेलने के बाद टीम से जुड़ेंगी। वहीं टी20 सीरीज 19 मार्च से शुरू हो रही है। उम्मीद है कि मूनी तीसरे और अंतिम टी20 मैच में खेल सकती हैं। बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन भी इस सीरीज में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगी।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम

डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एश्ले गार्डनर, किम गर्थ, लूसी हैमिल्टन,अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, टालिया मैक्ग्रा, सोफी मोलिन्यू, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम, टालिया विल्सन।

द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स की कप्तानी करेंगे जैकब बेथेल

नई दिल्ली, 11 मार्च 2026। टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल को द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स ने अपना कप्तान बनाया है। बेथेल को आगामी सत्र के लिए होने वाली नीलामी ही लियम लिविंगस्टोन की जगह कप्तान बनाया गया है। वहीं लिविंगस्टोन इस बार लंदन स्पिरिट से खेलते नजर आयेंगे। कप्तानी मिलने से उत्साहित बेथेल ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा,बर्मिंघम फीनिक्स का कप्तान बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करने के कारण उन्हें अंदाज है कि ये जिम्मेदारी कितनी बड़ी होती है। इसमें हमें और टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेना होता है। हाल बेथेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लिस्ट ए,फर्स्ट क्लास और टी20 तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में खिलाफ उन्होंने में

शानदार शतक लगाकर अपनी क्षमता साबित की थी। बर्मिंघम फीनिक्स के मुख्य कोच शेन बॉन्ड ने बेथेल की कप्तानी कौशल को सराहा है। उन्होंने कहा कि बेथेल बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और कम उम्र में ही उनकी नेतृत्व सामने आई है। बॉन्ड के मुताबिक,पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करते समय हमने उनकी कप्तानी देखी है। बेथेल ने साल 2022 में वेल्श फायर के लिए द हंड्रेड में डेब्यू किया था। इसके बाद 2023 में उन्हें बर्मिंघम फीनिक्स ने टीम में शामिल किया, लेकिन उस सीजन में वह केवल एक ही मैच खेल पाये थे। साल 2024 के सत्र में उन्होंने 9 मैचों में 166 रन बनाए, जहां उनका औसत 33.20 और स्ट्राइक रेट 132.80 रहा।

छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक फेरबदल
चंदन कुमार को अतिरिक्त जिम्मेदारी तीर्थराज अग्रवाल के प्रभार में बदलाव

रायपुर,11 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यभार में बदलाव किया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा नवा रायपुर अटल नगर से जारी आदेश के अनुसार आईएएस अधिकारी चंदन कुमार और तीर्थराज अग्रवाल की जिम्मेदारियों में फेरबदल किया गया है।

चंदन कुमार को मिला अतिरिक्त प्रभार

वर्ष 2011 बैच के आईएएस अधिकारी चंदन कुमार वर्तमान में वित्त विभाग में विशेष सचिव, बजट संचालक और मुख्य कार्यपालन अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। सरकार ने उन्हें एक और अहम जिम्मेदारी सौंपते हुए छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया है। राज्यपाल के आदेश के तहत उन्हें अपने मौजूदा दायित्वों के साथ इस नई जिम्मेदारी का भी निर्वहन करना होगा।

तीर्थराज अग्रवाल के कार्यभार में संशोधन

सरकार द्वारा जारी आदेश में तीर्थराज अग्रवाल के प्रभार में भी बदलाव किया गया है। तीर्थराज अग्रवाल वर्तमान में योजना,आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग में उप सचिव के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास विभाग के उप सचिव के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। अब वे केवल अपने मूल विभाग की जिम्मेदारियां संभालेंगे।

राजधानी क्षेत्र के विकास को मिलेगी गति

सरकार के इस निर्णय को राजधानी क्षेत्र के विकास कार्यों को तेज करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अनुभवी अधिकारी चंदन कुमार को अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपे जाने से नवा रायपुर और छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण से जुड़े परियोजनाओं को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

जंबूरी खर्च पर सदन में हंगामा....नारेबाजी,मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष का वॉकआउट
चंद्राकर ने सदन को हाईजैक कर लिया : भूपेश

रायपुर,11 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ विधानसभा में जंबूरी आयोजन में अनियमितता और विधायक रिकेश सेन को जान से मारने की धमकी पर जमकर हंगामा हुआ। कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने जंबूरी आयोजन में अनियमितताओं का मुद्दा उठाया और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि जंबूरी के लिए निविदा कितनी बार लगी, कब-कब लगी और काम शुरू होने से पहले क्या प्रक्रिया पूरी हुई थी। इस पर मंत्री गजेंद्र यादव के जवाब से असंतुष्ट होकर विपक्ष ने नारेबाजी की और सदन से वॉकआउट कर दिया, जिससे सदन में हंगामा मच गया। शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के मुताबिक पहला टेंडर तकनीकी कारणों से निरस्त हुआ और नियमों में बदलाव के बाद 23 दिसंबर को फिर से जारी किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह का भ्रष्टाचार नहीं हुआ और नियमों में बदलाव नेशनल स्काउट गाइड परिषद की अनुमति से किए गए।

शून्य काल में विधायक रिकेश सेन को जान से मारने की धमकी का मुद्दा सदन में गूंजा। उमेश पटेल ने सुरक्षा और स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। संसदीय मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि विधायक पूरी तरह सुरक्षित हैं, जबकि विपक्ष ने स्पष्टीकरण से असंतुष्ट होकर नारेबाजी और वॉकआउट किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि विधायक से बात की गई है और जवाब आने तक विपक्ष कार्यवाही में भाग नहीं लेगा। इसके बाद आसंदी ने संसदीय कार्यमंत्री को मामले में जांच के निर्देश दिए हैं। संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप इस मामले में दुर्ग के एसपी और कलेक्टर से बात करके करेंगे। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्रेजरी बेंच खाली होने पर तंज कसा, जिस पर अजय चंद्राकर ने कहा कि भूपेश बघेल ने चरणदास महंत का अस्तित्व खत्म कर दिया और नेता प्रतिपक्ष को हाईजैक कर लिया। भूपेश बघेल ने पलटवार करते हुए जवाब दिया कि अजय चंद्राकर ने तो पूरे सदन को हाईजैक कर लिया है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल और प्री-प्राइमरी शिक्षा पर सवाल-जवाब

प्रश्नकाल में नेता-प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने स्वामी आत्मानंद स्कूल का मुद्दा उठाते हुए पूछा कि प्रदेश में कितने अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय संचालित हैं, नर्सरी कक्षाओं की स्वीकृति कब दी गई और प्री-प्राइमरी कक्षाएं कितनी चल रही हैं, साथ ही कई जिलों में शिक्षकों को हटाने की शिकायतें भी आई हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने जवाब दिया कि अभी किसी जिले में शिक्षकों को नहीं हटाया गया है, 14 जिलों के 54 विद्यालयों में प्री-प्राइमरी स्कूल संचालित हैं और प्रदेश में 11 हजार बालवाड़ी नई शिक्षा नीति के तहत खोले जाएंगे।

2027 तक केंद्रीय बलों की वापसी की प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य : शर्मा

विजय शर्मा ने सदन में कहा कि,जब 31 मार्च 2026 को सशस्त्र नक्सलवाद के समापन की तिथि तय की गई, उसी समय यह भी निर्णय लिया गया था कि, 31 मार्च 2027 तक बस्तर में तैनात केंद्रीय बलों की वापसी की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि कुछ केंद्रीय बल इससे पहले भी वापस जा सकते हैं। बैठकों में यह सहमति बनी है कि 31 मार्च 2027 को एक तय समय सीमा मानकर चलें,हालांकि इसमें थोड़ा आगे-पीछे भी हो सकता है।

प्रश्नकाल में विपक्ष के सवाल और पक्ष का जवाब
जंबूरी आयोजन पर सवाल-जवाब

- **उमेश पटेल (कांग्रेस विधायक):** जंबूरी के लिए निविदा कितनी बार लगी,कब-कब लगी और निरस्त करने का कारण क्या था?
- **गजेन्द्र यादव (शिक्षा मंत्री):** टेंडर दो बार लगाया गया। पहला तकनीकी कारणों से निरस्त हुआ और 23 दिसंबर को नियमों में बदलाव के बाद फिर से जारी किया गया।
- **उमेश पटेल:** क्या निविदा शुरू होने से पहले काम शुरू हो गया था? आदेश किसे मिला?
- **गजेन्द्र यादव:** टेंडर से पहले काम नेशनल टीम के हिस्से में था,नियमों में बदलाव नेशनल स्काउट गाइड परिषद की अनुमति से किया गया। कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ।
- **उमेश पटेल:** डाउन ग्रेड किया गया तो कोई क्राइटेरिया होना चाहिए। क्या इसे स्काउट गाइड परिषद ने निर्णय लिया?
- **गजेन्द्र यादव:** नियमों में बदलाव परिषद की अनुमति से किया गया। जेम पोर्टल के माध्यम से टेंडर प्रक्रिया पूरी हुई। स्काउट गाइड परिषद कभी भंग नहीं होती।

ट्रेजरी-बेंच और हाईजैक विवाद

- **भूपेश बघेल (पूर्व मुख्यमंत्री):** ट्रेजरी बेंच खाली होने पर तंज।
- **अजय चंद्राकर:** भूपेश ने चरणदास महंत का अस्तित्व खत्म किया और नेता प्रतिपक्ष को हाईजैक कर लिया।
- **भूपेश बघेल:** अजय चंद्राकर ने पूरे सदन को हाईजैक कर लिया है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल पर सवाल-जवाब

- **डॉ. चरणदास महंत (नेता-प्रतिपक्ष):** प्रदेश में कितने अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय संचालित हैं? नर्सरी कक्षाओं की स्वीकृति कब दी गई? कितनी प्री-प्राइमरी कक्षाएं चल रही हैं?
- **मंत्री गजेन्द्र यादव:** अभी किसी जिले में शिक्षकों को नहीं हटाया गया है। 14 जिलों के 54 विद्यालयों में प्री-प्राइमरी स्कूल संचालित हैं। प्रदेश में 11 हजार बालवाड़ी नई शिक्षा नीति के तहत खोली जाएंगी।

शराब घोटाले पर सदन में हंगामा

- **शकुंतला पोर्ते (भाजपा विधायक):** प्रतापपुर विधानसभा में अवैध और मिलावटी शराब का मुद्दा उठाया।
- **लखनलाल देवांगन (आबकारी मंत्री):** शिकायतें आई हैं और कार्रवाई की जा रही है।
- **शकुंतला पोर्ते:** पिछली कांग्रेस सरकार में 2 हजार करोड़ का घोटाला भी हुआ था।
- **भूपेश बघेल (पूर्व मुख्यमंत्री):** मंत्री देवांगन बताएं कि शराब मामले में नोटिस किसे दिया गया और कितनी रिकवरी हुई?

बस्तर में 108 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण....
डंप से 3.61 करोड़ कैश,1 किलो सोना और 101 घातक हथियार बरामद

जगदलपुर,11 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े 108 माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें 44 महिला माओवादी भी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले इन माओवादियों पर कुल 3 करोड़ 29 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

पुलिस मुख्यालय में दी गई जानकारी

बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर के शौर्य भवन पुलिस समन्वय केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने इस बड़ी सफलता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नक्सलियों के आत्मसमर्पण से संगठन को बड़ा झटका लगा है और क्षेत्र में शांति स्थापित करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है।

101 घातक हथियार बरामद

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों से मिली जानकारी और खुफिया सूचनाओं के आधार पर सुरक्षा बलों ने कई स्थानों पर कार्रवाई की। इस दौरान अलग-अलग ठिकानों से एके-47, इंसास राइफल,एलएमजी और बीजीएल सहित कुल 101 घातक हथियार बरामद किए गए। इसे नक्सल विरोधी अभियान की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

डंप से मिली भारी मात्रा में नगदी और सोना

सुरक्षा बलों को नक्सलियों के डंप से बड़ी मात्रा में नगदी और सोना भी बरामद हुआ है। एक स्थान से लगभग 3 करोड़ 61 लाख रुपये नकद और करीब 1 किलोग्राम सोना मिला है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 64 लाख रुपये बताई जा रही है।

कई बड़े नक्सली नेताओं ने छोड़ा हथियार

आत्मसमर्पण करने वालों में संगठन के कई प्रमुख सदस्य भी शामिल हैं। इनमें पश्चिम बस्तर डिवीजन के डीवीसीएम राहुल तेलाम, पंडरु कोवासी और झितरु ओयाम, पूर्व बस्तर डिवीजन के डीवीसीएम रामधर उर्फ बीरु, उत्तर बस्तर डिवीजन के डीवीसीएम मल्लेश, पीएलजीए बटालियन नंबर एक के कमांडर मुचाकी और आंध्र-ओडिशा सीमा क्षेत्र के डीवीसीएम कोसा मंडावी जैसे नाम शामिल हैं।

पुनर्वास अभियान का दिख रहा असर : पुलिस अधिकारियों के अनुसार 'पुनर्वास से पुनर्जीवन' अभियान का प्रभाव लगातार दिखाई दे रहा है। इस पहल से प्रेरित होकर पिछले 26 महीनों में छत्तीसगढ़ में कुल 2714 माओवादी मुख्यधारा में लौट चुके हैं।

बस्तर में बढ़ी आत्मसमर्पण की संख्या : आंकड़ों के अनुसार 1 जनवरी 2024 से लेकर 9 मार्च 2026 तक बस्तर संभाग में 2625 माओवादी कैडरों ने आत्मसमर्पण कर सामान्य जीवन अपनाया है। इसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों और प्रशासन के प्रयासों की बड़ी सफलता माना जा रहा है। इसी क्रम में ओडिशा के कंधमाल जिले में भी माओवादी संगठन को झटका लगा है। वहां स्टेट कमेटी सदस्य सनू पोटाम उर्फ नीतू सहित 10 माओवादियों ने हथियार छोड़कर आत्मसमर्पण किया है। इन सभी पर कुल 1 करोड़ 65 लाख 62 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

रायपुर में विंग कमांडर ने किया सुसाइड
एयरफोर्स में ही काम करती थी पत्नी,विवाद की आशंका

रायपुर,11 मार्च 2026। रायपुर में एयरफोर्स के विंग कमांडर ने सुसाइड कर लिया है। पुरैना स्थित विधायक कॉलोनी में विंग कमांडर की घर के अंदर फांसी पर लटकती लाश मिली है। पुलिस के मुताबिक, विपुल यादव (39) ने पुरैना विधायक कॉलोनी स्थित बंगला नंबर-79 में घर के कमरे में फांसी लगा ली। विपुल हरियाणा के रहने वाले थे और रायपुर में तैनात थे। छत्तीसगढ़ में एंटी नक्सल ऑपरेशन से जुड़े दायित्व भी संभाल रहे थे। 11 मार्च की सुबह घर में बेडरूम में उनका शव पंखे से लटका मिला। सबसे पहले घर की मेड ने देखा और पुलिस को सूचना दी। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। उस समय दूसरे कमरे में उनके दोनों बच्चे सो रहे थे, जबकि उनकी पत्नी काम के सिलसिले में दिल्ली गई हुई थीं। दोनों की 2014 में लव मैरिज हुई थी। पत्नी पहले एयरफोर्स में काम करती थीं और फिलहाल आईटी सेक्टर में कार्यरत हैं। शुरुआती तौर पर पत्नी से विवाद में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने विपुल का मोबाइल जब्त किया है, जिसकी जांच एफएसएल टीम कर रही है।

परिवार के सदस्य पहुंचे रायपुर

जानकारी के मुताबिक,विंग कमांडर विपुल यादव हरियाणा के रहने वाले थे,लेकिन मूल रूप से उत्तरप्रदेश के आजमगढ़ में उनका रहना था। पत्नी अर्जिता श्रीवास्तव भी एयरफोर्स में में अधिकारी थीं। इस्तीफा देकर वह आईटी सेक्टर कंपनी में जॉब कर रही है। विपुल-अर्जिता का 9 साल का बेटा और 7 साल की बेटी है। जो रायपुर में पिता के साथ ही रहते थे। जिस समय विपुल ने घर पर आत्महत्या की उनकी पत्नी दिल्ली में थी। पति के मौत की खबर सुनने के बाद वे दोपहर करीब 3 बजे जिला अस्पताल पहुंची। तब तक विपुल यादव के शव का पोस्टमॉर्टम हो चुका था।

मृतक के मोबाइल की होगी जांच

आज उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। फिलहाल दोनों ही परिवार के लोग रायपुर पहुंच गए हैं। लेकिन इस मामले में कोई भी कुछ कहने से बच रहा है। पुलिस ने मृतक का मोबाइल अपने कब्जे में लिया है। एफएसएल टीम और पुलिस की टीमें जांच में जुटी हैं।

जिला अस्पताल में भर्ती युवती ने किया सुसाइड,बाथरूम में मिली लाश

धमतरी,11 मार्च 2026। जिला अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, कोंडागांव निवासी 20 वर्षीय युवती दशमती नेताम धमतरी के बस स्टैंड के पीछे स्थित हरिओम राइस मिल में काम करती थी। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले राइस मिल में अपने कमरे में दाल बनाते समय वह आग की चपेट में आ गई थी,जिससे उसका चेहरा और शरीर का कुछ हिस्सा झुलस गया था। इसके बाद उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा है कि युवती पिछले एक दिन से अस्पताल में भर्ती होकर इलाज करा रही थी। इसी दौरान वह बाथरूम जाने की बात कहकर वार्ड से निकली और महिला प्रसाधन के अंदर अपने दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल स्टाफ और मरीजों के परिजनों में हड़कंप मच गया। सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को फंदे से नीचे उतारकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

नाबालिग बैगा बच्चे को पेड़ से बांधकर पीटा,मौत के बाद मचा बवाल

कवर्धा,11 मार्च 2026। कबीरधाम से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। जिले के कुकरापानी गांव में एक नाबालिग बैगा आदिवासी बच्चे को ग्रामीणों ने चोर समझ लिया और फिर भीड़ ने कानून अपने हाथ में लेते हुए उसे पेड़ से बांधकर बेरहमी से डंडों से पीटना शुरू कर दिया। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है,जिसमें मासूम बच्चा दर्द से तड़पता और रोता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि बच्चा रहम की गुहार लगा रहा है, लेकिन गांव के कुछ लोग उससे नाम पूछते हुए लगातार डंडों से मारपीट करते नजर आ रहे हैं। यह दृश्य इतना भयावह है कि देखने वालों की रूह कांप जाए। बताया जा रहा है कि भीड़ की पिटाई के बाद बच्चे की हालत बिगड़ गई थी, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई, जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

शराब-घोटाला...पूर्व आबकारी कमिश्नर की दो जमानत याचिका खारिज
हाईकोर्ट बोला...निरंजन दास ने सरकारी खजाने में की हेराफेरी,मनी-लॉन्ड्रिंग केस में है मुख्य-भमिका

बिलासपुर,11 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में फंसे पूर्व आबकारी आयुक्त निरंजन दास की जमानत याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की सिंगल बेंच ने कहा कि, आर्थिक अपराध में आरोपी की मुख्य भूमिका है। लिहाजा, जमानत नहीं दी जा सकती। हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपी ने राज्य के खजाने को सुरक्षित रखने के अपने कर्तव्य के विपरीत जाकर सार्वजनिक धन की हेराफेरी की है। शराब घोटाले के केस में ईडी ने पूर्व आबकारी आयुक्त और छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पूर्व एमडी निरंजन दास को 19 दिसंबर 2025 को गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ यह कार्रवाई एसीबी की तरफ से दर्ज एफआईआर के आधार पर की गई है। एफआईआर के अनुसार दास पर शराब नीति में हेरफेर कर अवैध रूप से कमीशन वसूलने के आरोप हैं। एसीबी ने दास को इस शराब घोटाले के किंगपिन में से एक माना है।

सुनियोजित आर्थिक अपराध से राज्य के वित्तीय ढांचे को नुकसान : आरोपी निरंजन दास ने हाईकोर्ट में अलग-अलग दो याचिका दायर की थी। जिसमें एक जमानत अर्जी, दूसरे में आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और पीएमएलए एक्ट के तहत गिरफ्तारी को चुनौती दी गई थी। इस पर दिए गए फैसले में हाईकोर्ट ने कहा कि, आरोपी उस समय आबकारी विभाग के सर्वोच्च प्रशासनिक पद पर थे। यह मामला एक सुनियोजित और व्यवस्थित आर्थिक अपराध है, जिसने राज्य के वित्तीय ढांचे को नुकसान पहुंचाया। आरोपी दास के वकील ने तर्क दिया था कि, 50 से अधिक अन्य आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है, इसलिए उन्हें भी जमानत मिलनी चाहिए। लेकिन हाईकोर्ट ने इस तर्क को नहीं माना। साथ ही कहा कि आरोपी की हिरासत की अवधि लगभग दो महीने को लंबी कैद नहीं माना जा सकता है।

18 करोड़ की अवैध कमाई के आरोप : सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि ईडी की की जांच के बाद इस घोटाले के माध्यम से लगभग 18 करोड़ रुपए की अवैध कमाई की गई। आरोप है कि निरंजन दास के पास से 8.83 करोड़ रुपए की संपत्ति पहले ही कुर्क की जा चुकी है। शासन की दलीलों के सुनने के बाद हाईकोर्ट ने दोनों याचिकाएं खारिज कर दी है।

बिलासपुर में 130 पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर...3 एसआई,10 एएसआई,23 प्रधान आरक्षक और 94 कांस्टेबल का तबादला,हटाए गए पुलिसकर्मियों को फिर मिला थाना

बिलासपुर,11 मार्च 2026। बिलासपुर में एसएसपी रजनेश सिंह ने प्रशासनिक कसावट लाने के लिए 130 पुलिसकर्मियों का तबादला किया है। इसमें 3 एसआई, 10 एएसआई, 23 प्रधान आरक्षक और 94 कांस्टेबल शामिल हैं। जारी आदेश में शिकायत के बाद हाल ही में हटाए गए कई पुलिसकर्मियों को एक बार फिर से थाना भेजा गया है। वहीं,नई शिकायतों पर कुछ पुलिसकर्मियों को लाइन में हाजिरी देने का फरमान जारी किया गया है। दरअसल, जिले के कुछ थानों में पुलिसकर्मियों की लगातार शिकायतें मिल रही थी, जिससे एसएसपी रजनेश सिंह ऐसे स्टाफ से नाराज चल रहे थे। यही वजह है कि उन्होंने एक साथ बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों का तबादला आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार कई पुलिसकर्मियों को थाने से लाइन भेज दिया गया है। वहीं, पिछली शिकायतों पर हटाए गए पुलिसकर्मियों को चेतावनी देकर एक बार फिर से थाने भेजा गया है।

दावा किया जा रहा है कि इस फेरबदल से पुलिसिंग व्यवस्था में संतुलन बनेगा और कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी होगी। एक थाने से दूसरे थानों में भी पदस्थापना जारी स्थानांतरण आदेश में सिविल लाइन,सरकंडा,सिटी कोतवाली,तोरवा,सकरी,रतनपुर,चकरभाठा, कोनी, हिर्री, तखतपुर, पचपेड़ी सहित कई थानों और इकाइयों में पदस्थ पुलिसकर्मियों की नई पदस्थापना की गई है। कहा जा रहा है कि कुछ पुलिसकर्मियों ने थाने बदलने के लिए आग्रह किया था। जिसके चलते उन्हें एक थाने से दूसरे थानों में पदस्थ किया गया है।

विद्युत उपभोक्ताओं के लिए खुशखबरी...
सीएम साय आज करेंगे मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना का शुभारंभ

रायपुर,11 मार्च 2026। प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुरुवार को एक नई आकर्षक योजना का शुभारंभ करने जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी निम्न दाब घरेलू, एकल बत्ती कनेक्शन उपभोक्ता एवं कृषि श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए एक आकर्षक योजना शुरू कर रही है। मुख्यमंत्री साय के मंशानुरूप प्रदेश की निम्न,मध्यम आय वर्ग एवं कृषि उपभोक्ताओं को विशेष राहत देते हुए पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना- 2026 लेकर आई है। मुख्यमंत्री साय गुरुवार को जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय परिसर स्थित अटल बिहारी वाजपेई सभागार में योजना का शुभारंभ करेंगे। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कमर ने बताया कि योजना के अंतर्गत तीन श्रेणियों के उपभोक्ता योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इसके तहत उपभोक्ताओं की तीन श्रेणियां बनाई गई हैं, जिसमें पहली 31 मार्च 2023 की स्थिति में निष्क्रिय उपभोक्ताओं के लिए समाधान योजना,दूसरी सक्रिय एकल बत्ती कनेक्शन धारी उपभोक्ता के लिए समाधान योजना और तीसरी सक्रिय अशासकीय घरेलू एवं अशासकीय कृषि उपभोक्ता के लिए योजना शामिल है।

योजना का लाभ लेने उपभोक्ताओं को करना होगा पंजीयन : इस योजना में मुख्य रूप से इन श्रेणियां में शामिल उपभोक्ताओं को अपने विद्युत देयक जमा करने के लिए प्रोत्साहन के रूप में अधिभार की राशि में शत प्रतिशत छूट के साथ ही 75% तक मूल राशि में भी छूट का प्रावधान किया गया है। योजना का लाभ लेने के लिए इन श्रेणियों में शामिल उपभोक्ताओं को अपना पंजीयन करना होगा। इन उपभोक्ताओं को छूट के पश्चात शेष बकाया राशि की किश्तों के भुगतान पर आगामी माह में कोई अधिभार भी नहीं देना होगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)